संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 233
पृष्ठ 8
बुधवार
14 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ओट्स को रोज़ाना नाश्ते में खाना...

विचार- फिर आएगा गौरी: इतिहास के पन्नों...

खेल- बीसीसीआई ने किया आईपीएल...

आदमपुर एयरबेस पर जवानों से मिले पीएम मोदी, कहा-

भारत हमारे सशस्त्र बलों के प्रति हमेशा आभारी रहेगा

नयी दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई रोके जाने पर सहमति के दो दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह पंजाब स्थित आदमपुर वायु सेना स्टेशन का दौरा किया और जवानों के साथ बातचीत की। पाकिस्तान ने 9 और 10 मई की दरमियानी रात आदमपुर वायु सेना स्टेशन को निशाना बनाने की असफल कोशिश की थी। बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के सुबह–सुबह वायु सेना स्टेशन पहुंचे श्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को बड़ा सबक सिखाने और उसकी नापाक हरकतों तथा दुस्साहस पर उसे दंडित करने के लिए जवानों साहस तथा वीरता की सराहना की। उल्लेखनीय है कि भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने जवाबी

कार्रवाई के तहत आदमपुर वायु सेवा स्टेशन को निशाना बनाने की कोशिश की थी। भारत की मजबूत वायु रक्षा प्रणाली ने इन हम लोग को पूरी तरह विफल कर दिया था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री के आदमपुर दौरे की जानकारी दी और जवानों के साथ श्री मोदी की बातचीत का एक फोटो भी साझा किया। श्री मोदी ने पोस्ट में कहा, "आज सुबह मैं वायु सेना स्टेशन आदमपुर गया और हमारे बहादुर वायु योद्धाओं और सैनिकों से मिला। साहस, दृढ़ संकल्प और निडरता के प्रतीक लोगों के साथ रहना एक बहुत ही खास अनुभव था। भारत हमारे सशस्त्र बलों के प्रति हमेशा आभारी रहेगा, क्योंकि वे हमारे देश के लिए हर काम करते हैं।" उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने सोमवार रात राष्ट्र के नाम संबोधन में पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी थी कि भारत पाकिस्तान से परमाणु हमले की धमकी से ब्लैकमेल नहीं होगा और यदि उसे बचना है तो आतंकवादी ढांचे का सफाया करना ही होगा। प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी साफ तौर कहा कि भारत की नीति में आतंक एवं व्यापार, आतंक एवं बातचीत साथ साथ नहीं चल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अब आतंक के आकाओं और आतंकवाद की सरपस्त सरकार को अलग अलग नहीं देखा जाएगा तथा पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर के बारे में ही होगी।

सीबीएसई बोर्ड का परिणाम घोषित, 12वीं में लड़कियों ने मारी बाजी

ट्रांसजेंडर छात्रों का रिजल्ट रहा 100 प्रतिशत

CBSE ने जारी किया परिणाम

लखनऊ, संवाददाता। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने आज यानी की 13 मई को कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा 2025 का रिजल्ट आधिकारिक रूप से घोषित कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने मंगलवार को यह घोषणा की। लाखों छात्र लंबे समय से रिजल्ट का इंतजार कर रहे थे। इस साल का कुल पास प्रतिशत 88.39: रहा है, जो पिछले साल की तुलना में थोड़ा सा बेहतर है। पिछले साल से पासिंग प्रतिशत में 0.41: की वृद्धि हुई। लड़कियों ने लड़कों को 5.94: से ज़्यादा अंकों से पीछे छोड़ाय 91: से ज़्यादा लड़कियाँ परीक्षा में पास हुईं सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट बड़ेमतमेनसजे.दपब. पद पर जाकर छात्र अपने रोल नंबर और स्कूल कोड की मदद से अपना रिजल्ट चेक कर सकते हैं। इसके अलावा डिजिलॉकर और न्ड।छळ ऐप की मदद से भी मार्कशीट डाउनलोड की जा सकती है।ट्रांसजेंडर' उम्मीदवारों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 100 फीसदी रहा, जो पिछले साल 50 प्रतिशत था। कुल 1,11,544 उम्मीदवारों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, जबकि 24,867 उम्मीदवारों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। 1.29 लाख से अधिक उम्मीदवारों को पूरक परीक्षा देनी होगी। सीबीएसई ने कक्षा 10 के नतीजे मंगलवार को जारी हुए जिसमें 93 प्रतिशत से अधिक छात्र उत्तीर्ण हुए और लड़कियों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत लड़कों से दो फीसदी अधिक रहा। परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने मंगलवार को यह घोषणा की।

कांग्रेस को बड़ा झटका, राहुल गांधी के बिहार दौरे से पहले पार्टी के 17 नेता भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बिहार दौरे से कुछ ही दिन पहले पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कटिहार जिले के 17 प्रमुख नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं। यह राजनीतिक बदलाव वरिष्ठ कांग्रेस नेता और छह बार के सांसद तारिक अनवर के खिलाफ गंभीर आरोपों के साथ हुआ है। इससे पार्टी के भीतर दरार और गहरी हो गई है और राज्य

में कांग्रेस की ताकत पर सवाल उठ रहे हैं। इस नाटकीय बदलाव का नेतृत्व कांग्रेस से जुड़े श्रमिक संगठन INTUC के अध्यक्ष विकास सिंह ने किया। उन्होंने तारिक अनवर पर अपने कार्यों और बयानबाजी दोनों में उच्च जाति विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पटना में आयोजित एक समारोह में बिहार के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू की मौजूदगी में भाजपा में शामिल होते हुए सिंह ने कहा, ष्यह तो बस शुरुआत है। आने वाले दिनों में सैकड़ों–हजारों कार्यकर्ता भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं।ष सिंह के अनुसार, 17 प्रभावशाली उच्च जाति के कांग्रेस नेताओं का पाला बदलने का फैसला अनवर के कथित पक्षपात और रवैये के खिलाफ बढ़ते आक्रोश से उपजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अनवर की कार्यशैली ने उच्च जाति के समर्थकों के एक बड़े वर्ग को अलग–थलग कर दिया है – कटिहार में एक प्रभावशाली मतदाता समूह, जहाँ जातिगत गतिशीलता अक्सर चुनावी नतीजों को आकार देती है। नेताओं का पलायन और जातिगत आक्रोश ऐसे समय में सामने आया है जब कांग्रेस पहले से ही इंडिया ब्लॉक के भीतर आंतरिक असंतोष का सामना कर रही है। इस तरह के घटनाक्रम तारिक अनवर के पारंपरिक समर्थन आधार को खत्म कर सकते हैं और उनकी छवि को धूमिल कर सकते हैं। अनवर के नेतृत्व में लंबे समय से कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाला कटिहार अब राजनीतिक रूप से कमजोर होता दिख रहा है। इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव रखने वाला उच्च जाति समुदाय अब कांग्रेस से दूर जा सकता है – अगर इस पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया तो यह पार्टी के लिए संभावित चुनावी बोझ बन सकता है।

शोपियां में एनकाउंटर जारी, सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को किया ढेर

जम्मू, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के केल्लर के शुकरू वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर–ए–तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए हैं। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद केल्लर के जंगलों में व्यापक घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया था। जैसे ही पुलिस और सेना की टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया, छिपे हुए आतंकवादियों ने पार्टी पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। गोलीबारी के दौरान लश्कर के तीन आतंकवादी मारे गए, हालांकि आतंकवादियों की पहचान का पता लगाया जा रहा है। भारतीय सेना ने कहा कि आज आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना ने तलाशी अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की और भीषण गोलीबारी हुई, जिसके परिणामस्वरूप तीन कट्टर आतंकवादी मारे गए। अभियान जारी है।

अमृतसर में ज़हरीली शराब पीने से 14 श्रमिकों की मौत, छह की हालत नाजुक

अमृतसर,एजेंसी। पंजाब के अमृतसर में मजीठा क्षेत्र के तीन गांवों में ज़हरीली शराब पीने से भट्ठा पर काम करने वाले 14 श्रमिकों की मौत हो गई है, जबकि छह अन्य लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अमृतसर की ज़िला उपायुक्त साक्षी साहनी ने मंगलवार को बताया कि मृतकों में भंगाली , थरियावाल और मुरारी कलां गांव के लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि घटना सोमवार की है। उन्होंने बताया कि शराब पीने से कुछ लोगों की मौत हो गई और रात तक मृतकों की संख्या बढ़ने पर लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती छह लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। पी गई शराब के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए गए हैं। मजीठा थाना के प्रभारी (एसएचओ) आबताब सिंह ने बताया कि जहरीली शराब पीने

से लोगों की मौत होने की जानकारी मिलने पर इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने इस सिलसिले में मुख्य आरोपी प्रभजीत सिंह सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रभजीत नकली शराब की आपूर्ति करने वाले गिरोह का सरगना है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम कुलबीर सिंह उर्फ जग्गू, जो मुख्य आरोपी प्रभजीत का भाई है। साहिब सिंह उर्फ सराय निवासी गांव मारड़ी कलां, गुरजंट सिंह और निंदर कौर पत्नी जीता निवासी गांव थीरेवाल को भी पकड़ा गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रविवार (11 मई) की शाम को एक ही जगह से यह शराब खरीदी गई थी. इनमें से कुछ लोगों की सोमवार की सुबह ही मौत हो गई थी, लेकिन पुलिस को सूचना नहीं मिली। वहीं स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई लोगों की हालत नाजुक बनी हुयी हैं। प्राथमिक जांच में पता चला है कि लोगों ने अवैध कच्ची शराब का सेवन किया था।

इंडिगो विमान में बम की धमकी के बाद कोलकाता हवाईअड्डे पर हाई अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार दोपहर को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया और कोलकाता–मुंबई इंडिगो फ्लाइट संख्या 6E5227 में सवार यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। एयरपोर्ट पर एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके दावा किया कि विमान में बम है। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, ष्यह कॉल यात्रियों के चेक–इन करने के बाद आई। फ्लाइट को दोपहर 1. 30 बजे उड़ान भरनी थी और शाम 4.20 बजे मुंबई में उतरना था। आपातकालीन प्रोटोकॉल के तहत सभी 195 यात्रियों को विमान से उतरने के लिए कहा गया और विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि विमान से सामान उतार दिया गया और गहन तलाशी ली गई, जबकि बम निरोधक दस्ते ने गहन तलाशी के लिए विमान में प्रवेश किया।

महिलाओं के आगे आने से सामाजिक – आर्थिक विकास संभव : धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि महिलाओं के आगे आने से संतुलित आर्थिक विकास और सामाजिक वृद्धि संभव है। श्री धनखड़ ने आज यहां मेघालय में गारो हिल्स, खासी हिल्स और जैंतिया हिल्स क्षेत्रों के स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति को वित्तीय मदद देने से सशक्तीकरण नहीं

होता है बल्कि उसको सहयोग देने से वह वास्तविक रुप से सशक्त होता है। श्री धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक दशक से अधिक समय से चल रहे शासन सुधारों और विकास सराहनीय है।उन्होंने कहा," यह दूरदर्शी नेतृत्व ही है जो अधिकारियों को सही दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता है।" इस अवसर पर मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे । उन्होंने कहा कि देश में विकास की प्रक्रिया पिछले एक दशक से चल रही है। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, देश ने पिछले एक दशक में अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और महिला विकास, महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में ऐसे मील के पत्थर हासिल किए हैं, जिनसे दुनिया ईर्ष्या करती है। उन्होंने कहा," हमारी आदिवासी संस्कृति शानदार है।

राजनाथ ने पश्चिमी सीमा पर स्थिति की समीक्षा की

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई रोके जाने और सीमाओं तथा अग्रिम मोर्चों पर सैनिकों की संख्या में कमी करने की सहमति बनने के बाद पश्चिमी सीमा की स्थिति की समीक्षा की है। रक्षा मंत्रालय ने

मंगलवार को बताया कि श्री सिंह की अध्यक्षता में यहां साउथ ब्लॉक में हुई बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी, रक्षा सचिव राजेश कुमार और वायु सेना उप प्रमुख एयर मार्शल नर्मदश्वेर तिवारी ने हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार बैठक में ऑपरेशन सिन्दूर के बाद दोनों देशों की सेनाओं के बीच सैन्य कार्रवाई रोके जाने पर बनी सहमति के पश्चात पश्चिमी सीमा पर स्थिति की समीक्षा की गयी। शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने रक्षा मंत्री को सीमाओं पर स्थिति के बारे में जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों ने सोमवार शाम को सैन्य कार्रवाई को स्थगित करने की दस मई की सहमति की पुष्टि की थी।

अचानक सैन्य कार्रवाई रुकने से हम मौका चूके, ट्रम्प के बयान पर जवाब दें मोदी : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम घटना और उसके बाद की कार्रवाई पर सोमवार को राष्ट्र के नाम संबोधन जरूर किया लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खतरनाक बयान पर चुप्पी साधकर सबको निराश किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहलगाम हमले के आतंकवादियों को करारा जवाब देने पर पाकिस्तान के साथ संघर्ष हुआ जिसमें हमारी बहादुर सेना पाकिस्तान को बर्बाद कर रही थी लेकिन अचानक हुई सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा ने सबको चौंका दिया और आतंकवाद तथा आतंक को पनाह देने वाले पाकिस्तान को कुचलने का स्वर्णिम अवसर हमारे हाथ से निकल गया।

ज़हरीली शराब के दोषियों को कानून के मुताबिक सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी : मान

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मंगलवार को अमृतसर में मजीठा के आस पास के गांवों में ज़हरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत पर दुःख जताया है और इस मामले में दोषियों के खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। श्री मान ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, "मजीठा के आस पास के गांवों में ज़हरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत की दुखद ख़बर मिली है। मासूम लोगों के इन हत्यारों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। ये मौतें नहीं, कत्ल हैं। ज़हरीली शराब से लोगों के घरों में मातम का माहौल बनाने वाले इन दोषियों को कानून के मुताबिक सख्त से सख्त सज़ा दी जाएगी।" उन्होंने कहा, "मैं परमात्मा से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूँ। सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और हर संभव

मदद की जाएगी।" उल्लेखनीय है कि अमृतसर के मजीठा क्षेत्र के तीन गांवों भंगाली, थरियावाल और मुरारी कलां में ज़हरीली शराब पीने से 14 भट्ठा मजदूरों की मौत हो गई है जबकि अस्पताल में छह लोगों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अमृतसर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मनिंदर सिंह ने बताया कि पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रभजीत सिंह सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रभजीत नकली शराब की आपूर्ति करने वाले गिरोह का सरगना है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम कुलबीर सिंह उर्फ जग्गू, जो मुख्य आरोपी प्रभजीत का भाई है। साहिब सिंह उर्फ सराय निवासी गांव मारड़ी कलां, गुरजंट सिंह और निंदर कौर पत्नी जीता निवासी गांव थीरेवाल को भी पकड़ा गया है। अमृतसर की ज़िला उपायुक्त साक्षी साहनी ने मंगलवार को घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना सोमवार की है। उन्होंने बताया कि शराब पीने से कुछ लोगों की मौत हुयी और रात तक मृतकों की संख्या बढ़ने पर लोगों ने पुलिस को जानकारी दी।

माहेश्वरी महिला संगठन गोलाघाट शाखा द्वारा सरहद पर तैनात सैनिकों के सुरक्षार्थ सामूहिक सुंदरकांड का आयोजन

माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया

'सुंदरकांड' पाठ में माहेश्वरी सभा और 'युवा' भी शमिल थे

गोलाघाट। पहलगाम में हुए निर्माण हत्याकांड के विरुद्ध मोदी जी द्वारा जो ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया उसके तहत...

'सरहद' पर जो 'जवान' अपने घर से दूर, 'निस्वार्थ भाव' से, 'राष्ट्रीय रक्षा' के लिए 'लड़' रहे हैं उनकी 'सुरक्षा' 'और विजय' के लिए हमने 'सामूहिक प्रार्थना' का आयोजन किया जिसमें महिलाओं एवं पुरुषों ने अपना पूर्ण योगदान दिया। देश की सुरक्षा के लिए आयोजित यह कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा। सुंदरकांड पाठ के बाद आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। हम सभी की हार्दिक शुभकामनाएं सदा देश व देश के सैनिकों के साथ है।

नगर आयुक्त द्वारा जोनल कार्यालय जोन-दो मुटठीगंज क्षेत्र के सभी पार्षदों के साथ बैठक किया

प्रयागराज। नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज द्वारा आज जनसुनवाई के पश्चात जोन 2 मुटठीगंज क्षेत्र के सभी मा0 पार्षदों के साथ बैठक किया गया। बैठक के दौरान मा0 पार्षदों द्वारा क्षेत्र में पेयजल, साफ सफाई, मार्ग प्रकाश, मृत जानवरों, निर्माण कार्यो, सीवर कनेक्टिविटी तथा नाला कनेक्टिविटी आदि की समस्याओं पर चर्चा की गयी। नगर आयुक्त द्वारा वारिश के दिनों में जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो के दृष्टिगत सीवर

कनेक्टिविटी हेतु महाप्रबन्धक गंगाप्रदूषण नियंत्रण इकाई तथा नाले की कनेक्टिविटी हेतु कार्यदायी संस्था को पत्र प्रेषित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही जोन 2 के अंतर्गत महाकुम्भ के दायरे में आने वाले क्षेत्रों में मार्गप्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये गये। बैठक के दौरान मा0 पार्षद श्रीमती रूकसाना बेगम, श्री नीरज टण्डन, श्रीमती इरफाना वसीम, श्रीमती कुसुमलता, श्री फसाहत हुसैन, श्रीमती विद्या द्विवेदी, श्री सहिल अरोरा श्री नीरज कुमार गुप्ता, श्रीमती शाबरीन बानों, श्री रमीज अहसन, श्री नेम कुमार यादव, श्रीमती सुनीता चोपड़ा, श्रीमती मुमताज अन्सारी, तथा श्री सर्फराज अहमद नगर निगम के अधिकारीगण उपस्थित हुए।

हिंदी लेखिका संघ का ऑनलाइन (सिंदूर) काव्य पाठ आयोजन में "देशभक्ति" और "माँ"

जबलपुर। हिंदी लेखिका संघ जबलपुर द्वारा 12 मई को ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ साहित्यकार कृष्णा राजपूत द्वारा सरस्वती वंदना एवं संस्था सचिव श्रीमती अर्चना गोस्वामी। अध्यक्ष डॉ कामना

कौस्तुभ एवं कार्यक्रम सलाहकार, वरिष्ठ साहित्यकार श्रीमती अर्चना मलैया ने अपने उद्बोधन में आयोजन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। ऑपरेशन सिंदूर एवं मां विषय पर आयोजित इस काव्य संगोष्ठी का संचालन ने किया उमा मिश्रा प्रीति। कार्यक्रम में भाग लेने वाली साहित्यकार डा राजलक्ष्मी शिवहरे, छाया त्रिवेदी, डॉ मुकुल तिवारी, डॉ शोभा सिंह,चंद्र प्रकाश वैश्य, अलका मकसूदन पटेल, आरती शर्मा, विनीता पैगवार विधि, सिद्धेश्वरी सराफ, कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार, कृष्णा राजपूत, ज्योत्सना ज्योति, कविता राय। वरिष्ठ साहित्यकारों ने इस कार्यक्रम में ओज पूर्ण रचनाओं का काव्य पाठ किया। अंत में आभार ज्ञापन अर्चना मलैया ने किया।

डीएम ने ऑपरेशन कायाकल्प के तहत हुए काम का मांगा ब्योरा

प्रयागराज। जिले में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत हुए कार्यों का जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने ब्योरा मांगा है। डीएम की ओर से बीएसए प्रवीण तिवारी को पत्र भेजा गया है। जिसमें पूछा गया है कि अब तक कितने स्कूलों में काम हुआ है। जिले के तमाम स्कूलों में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत काम हुए हैं, लेकिन अभी लगभग 200 स्कूलों में काम कराना है। बजट की कमी से इन स्कूलों में काम नहीं हो पा रहा है। डीएम ने सभी के लिए नए सिरे से प्रस्ताव देने का निर्देश दिया है।

51 लोगों का वेतन काटने की संस्तुति

प्रयागराज। आईजीआरएस पर आई शिकायतों का निस्तारण करने में डिफाल्टर पाए गए 51 अधिकारियों का वेतन काटने की संस्तुति की गई है। सभी अधिकारी लगातार निर्देश के बाद भी शिकायतों का गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही बुलाई गई बैठकों में भी खुद नहीं पहुंच रहे हैं। जिसके कारण शिकायतों का निस्तारण नहीं हो पा रहा है। लगातार चार नोटिस जाने के बाद भी जब अफसरों में सुधार नहीं आया तो अब कार्रवाई की संस्तुति कर दी गई है। एडीएम सिटी सत्यम मिश्र ने बताया कि पत्र अग्रसारित कर दिया गया है। सभी का वेतन काटा जाएगा।

सेना में संतानों की सेवा से गौरवान्वित वीर माताएं

प्रयागराज। पहलगाम में पड़ोसी मुल्क के आतंकियों की कायराना हरकत के जवाब में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने उन मांओं के आंसुओं को पोछा जिनके लाल को गोलियों से छलनी किया गया, उन सुहागिनों के दर्द को कम किया है जिनका सिंदूर उजाड़ दिया गया। देशवासी सेना के शौर्य और पराक्रम को सलाम कर रहे हैं। अपने प्रयागराज में भी कई ऐसे वीर सपूत हैं जो सेना के विभिन्न अंगों में रह कर देश की सेवा कर रहे हैं। अखबार ने ऐसी ही वीर माताओं से उनके विचार जाने जिनकी संतानें सेना में हैं और दुश्मनों को धूल चटाने के लिए तैयार हैं।

वीर माताओं ने एक स्वर में कहा कि उन्हें अपनी संतान के सेना में होने का गर्व है। वह सौभाग्यशाली हैं कि उन्होंने ऐसे सपूत को जन्म दिया जो देश की सेवा और सीमा की सुरक्षा कर रहे हैं। पूरा विश्वास है उनकी संतानें दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देते हुए देश को गौरवान्वित करेंगी। वीर माताओं का मानना है कि देश सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं हैं। उन्हें गर्व कि उनके सपूत सेना में रहकर देश की सेवा और सीमा की सुरक्षा में लगे हैं। कुछ ऐसी माताएं भी हैं जिनकी एक से अधिक संतानें सेना में हैं। अपने बेटों को देश सेवा के लिए भेजने के अपने निर्णय पर गर्व से कहतीं हैं कि मदर्स डे पर उनके लिए इससे बड़ा तोहफा क्या हो सकता है कि वह गर्व से कह सकें कि उनकी संतान भारतीय सेना में है। पूरे देश की निगाह और आस आज सेना पर लगी है। लोग भारत की सेना के हौसले, जज्बे, शौर्य और पराक्रम को सलाम कर रहे हैं। पूरा देश आश्वस्त है कि उनकी बहादुर सेना के कारण वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं। हमारी सेना हर चुनौती का मुकाबला करने में सक्षम है। वीर माताएं भी उत्साह से लबरेज हैं और सम्पूर्ण विजय की कामना कर रही हैं। कहती हैं कि मां आखिर मां होती है, नौ माह तक गर्भ में रखकर जिसका पालन किया उसे युद्ध भूमि में भेजने का निर्णय लेना एक मां के लिए कितना चुनौती भरा निर्णय होता है उसे वह ही समझ सकती हैं। माता होने के नाते उनकी चिंताएं और आशंकाएं स्वाभाविक हैं, लेकिन उन्हें ईश्वर पर पूर्ण विश्वास है कि दुश्मन कितना भी कुचक्र रचे, धर्म और अधर्म की लड़ाई में विजय धर्म की ही होगी। कहतीं हैं कि माता हैं तो संतान

की चिंता तो होगी ही, मोबाइल पर पूरा ध्यान लगा रहता है। घंटी बजते ही लगता है कि लाल का फोन आया होगा। कुछ दिन बात नहीं हो पाती तो चिंता सताने लगती है। पूरे परिवार की निगाह टीवी पर लगी रहती है कि कहां क्या हो रहा है। बहादुरपुर विकासखंड के जमुनीपुर सोतपुर निवासी जगदंबा प्रसाद दुबे के दो बेटे अंजनी कुमार दुबे और अनुज कुमार दुबे सेना में नायक हैं। इनकी माता शिव कांति को गर्व है कि उनकी कोख ने ऐसे सपूतों को जन्म दिया जो देश की सेवा कर रहे हैं, लेकिन पड़ोसी मुल्क से तनाव के चलते चिंता बढ़ गई है। बच्चों की सलामती के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती रहती हैं। पूरा दिन पूजा पठ में व्यतीत होता है। इसी प्रकार दक्षिणी कोटवा गांव निवासी अवध राज सिंह सेना से रिटायर हैं उनके दो बेटे चंद्रभान सिंह और कमलभान सिंह सेना में हवलदार हैं। पाकिस्तान की कायराना हरकत से उनकी मां कृष्णा देवी का गुस्सा सातवें आसमान पर है। कहतीं हैं कि दुश्मन को ऐसा सबक मिलना चाहिए कि वह देश पर आंख उठाने की दोबारा हिम्मत न कर सके। दक्षिणी कोटवा के दिवंगत राजेन्द्र प्रताप सिंह के इकलौते बेटे प्रवीण भारतीय सेना में हैं। प्रवीण की मां रैन कुमारी ने कहा कि हमारे लिए गर्व की बात है कि मेरा बेटा सेना में है। पूरा विस्वास है कि ऊपर वाला और मां का आशीर्वाद उसकी रक्षा करेगा। लीलापुर खुर्द निवासी रामकृष्ण शुक्ला के छोटे बेटे शशांक शुक्ला सेना में हवलदार है, शशांक की मां संतोषी का कहना है कि बेटा सेना में है इसका गर्व है। पर मां का दिल बहुत नाजुक होता है, इसलिए चिंता भी लगी रहती है। इसी प्रकार केंद्रीय विद्यालय संगठन में असिस्टेंट कमिश्नर डॉ. शालिनी दीक्षित की बेटी भारतीय वायु सेना में स्क्वॉड्रन लीडर के रूप में देश की सेवा कर रही हैं। इनका कहना है कि पुत्र-पुत्री में कोई फर्क नहीं होता। संतान ऐसी हो कि माता-पिता गर्व कर सकें। पुत्री ने उनका सिर ऊंचा कर दिया है। उन्हें पुत्री के सेना में होने पर नाज है। बेटी भारतीय वायु सेना में अधिकारी के रूप में अपनी सेवा दे रही है तो माता-पिता को गर्व होना स्वाभाविक है। देश सर्वोपरि है और देश की सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। मदर्स डे पर मेरा अभिभावकों से अनुरोध है कि वह अपने बच्चों में बचपन से देश प्रेम की भावना विकसित करें और बच्चों को देश की सेवा में जाने के लिए प्रेरित करें। पुत्री होने के बावजूद हमारी संतान ने सेना में जाने का निर्णय लिया, जिसका हम सबने समर्थन और सहयोग करते हुए उसके निर्णय का सम्मान किया। आज हम फक्र से कह सकते हैं कि हमारी पुत्री सेना में देश की सेवा कर रही है। एक माता के लिए इससे बड़ा तोहफा क्या हो सकता है कि संतान उन्हें गौरवान्वित करे। डॉ. शालिनी दीक्षित, असिस्टेंट कमिश्नर, केंद्रीय विद्यालय संगठन हमें आपने पुत्र अंकित द्विवेदी के भारतीय सेना में होने का गर्व है, हम उन सौभाग्यशाली लोगों में से हैं जिन्हें यह मौका मिला है कि वह गर्व से कह सकें कि उनकी संतान सेना में है। हमें पूरा विश्वास है कि हमारी सेना दुश्मनों को करारा सबक सिखा कर ऐसी नजीर प्रस्तुत करेगी कि दोबारा फिर कभी कोई दुश्मन ऐसी हिमाकत करने के पहले सौ बार सोचेगा। पुत्र देश की रक्षा के लिए निकला है तो हमारी यही कामना है कि वह दुश्मनों का खात्मा कर विजयी होकर वीर योद्घा की भांति लौटे। मां का आशीर्वाद और ईश्वर उसके साथ है तो विजय निश्चित है। – राधा देवी हम भाग्यशाली हैं कि हमारे दो पुत्र रणंजय और रणविजय लेफ्टिनेंट और नायब सूबेदार के रूप में देश की सेवा कर रहे हैं। पति भी भारतीय सेना में थे और उनकी प्रेरणा और पूरे परिवार के सहयोग के कारण आज दो पुत्र इस काबिल हैं कि देश की रक्षा कर रहे हैं। सभी माता-पिता अपने बच्चों में देश प्रेम की भावना विकसित करें और उन्हें देश की सेवा में जाने के लिए प्रेरित करें। आज हम अपने घरों में आराम से सुरक्षित हैं तो इसलिए कि हमारी सेना सीमा पर हमारी सुरक्षा के लिए खड़ी है। सिर्फ माता पिता ही नहीं पूरे देश को अपने सपूतों पर गर्व है। –सरला सिंह चौहान हमारी बेटी सत्यनिष्ठा दत्त भारतीय वायु सेना में बतौर अधिकारी अपनी सेवा दे रही है। ऐसी बेटी पर हमें नाज है। कम उम्र में ही उसने देश की सेवा की बड़ी जिम्मेदारी निभाने का निर्णय लेकर हम सबको गौरवान्वित किया है। मेरी बेटी का साहस हम लोगों को भी प्रेरणा देता है। अब जब पड़ोसी मुल्क से तनाव चल रहा है तो ऐसे में थोड़ी चिंता जरूर रहती है। पर हमारे वीर सैनिकों पर भरोसा है कि वह दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देंगे। – रेखा दत्त, प्रवक्ता, एग्लो बंगाली इंटर कॉलेज मेरे दो लाल देश की सेवा के लिए डटे हैं तो हमारा सिर गर्व से ऊंचा होगा ही। हमें अपने पुत्रों पर नाज है। पति अवधराज सिंह भी सेना में सेवा दे चुके हैं। पुत्र चंद्रभान और कमलभान ने जब सेना में जाने का निर्णय लिया था तो पूरे परिवार ने निर्णय को सराहा था। हम बाहर निकलते हैं तो फौजी की मां होने का सम्मान मिलता है, जिससे गर्व की अनुभूति होती है। कुछ दिन उनका हाल चाल नहीं मिलता तो चिंता जरूर होती है, लेकिन ईश्वर पर पूरा भरोसा है कि विजय हमारी ही होगी। पूरा देश आज सेना के साथ खड़ा है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीयों का सिर फक्र से ऊंचा कर दिया है। –कृष्णा सिंह मेरे दो बेटे अंजनी कुमार दुबे और अनुज कुमार दुबे भारतीय सेना में अपनी सेवा दे रहे हैं। इससे बड़ी गर्व की बात हमारे लिए और क्या हो सकती है। हमें इन वीर सपूतों की माता होने का गर्व है। मां होने के नाते कुछ चिंता बनी रहती है, लेकिन हमें हमारी सेना और सपूतों पर पूरा भरोसा है कि वह दुश्मन के मंसूबों को कभी कामयाब नहीं होने देगी। मदर्स डे तो हमारे लिए हर रोज होता है, क्योंकि हमारे वीर पुत्रों ने देश की सेवा के लिए सेना में जाने का निर्णय लेकर गौरवान्वित किया है। –शिवकांति बेटा मयंक भारतीय सेना में हवलदार के रूप में अपनी सेवा दे रहा है। देश की सेवा करने का सौभाग्य सभी को नहीं मिलता, जो भाग्यशाली होते हैं उन्ही को यह मौका मिलता है। हमारी शुभकामना पूरी भारतीय सेना के लिए है। हमें पूर्ण भरोसा है कि हमारी सेना ऐसी मिसाल प्रस्तुत करेगी कि पूरा विश्व लोहा मानेगा। ऑपरेशन सिंदूर से हमारे वीर सपूतों ने गौरव की अनुभूति कराई है। –संतोषी शुक्ला हमारा इकलौता पुत्र प्रवीण भारतीय सेना में है और देश की रक्षा के लिए तत्परता से जुटा है। हमारा आशीर्वाद उसके साथ है। हमें उसकी माता होने पर गर्व की अनुभूति होती है। हां, जरूर कुछ दिन हाल खबर नहीं मिलती तो चिंता हो जाती है, लेकिन वीर सपूत होने का गर्व हमारी चिंता को कम कर देता है। लोग अपने बचों को देश प्रेम के प्रति जागरूक करें और सेना में जाने के प्रेरित करें। देश से बढ़कर और कुछ नहीं हो सकता इस बात को सभी को समझना चाहिए। –रैन कुमारी

आर्थिक पिछड़ा वर्ग अभ्यर्थी आरक्षण के हकदार, पर नहीं मिल सकेगा लाभः हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 69000 सहायक अध्यापक भर्ती में आर्थिक पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को आरक्षण का लाभ देने की मांग नामंजूर कर दी है। साथ ही इसे लेकर दाखिल अपीलें खारिज कर दी हैं। कोर्ट ने यह माना कि 69000 सहायक अध्यापक भर्ती की प्रक्रिया शुरू होने के समय प्रदेश में ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू किया जा चुका था और सरकार को इसका लाभ देना चाहिए था। अब नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, चयनित अभ्यर्थी नियुक्त पा चुके हैं और इसे चुनौती नहीं दी गई है इसलिए इन परिस्थितियों में 69000 सहायक अध्यापक भर्ती में ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू करने का आदेश नहीं दिया जा सकता। शिवम पांडेय व पांच अन्य और दर्जनों अन्य अपीलों पर एकसाथ सुनवाई करते हुए यह आदेश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र एवं न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की खंडपीठ ने दिया है। अपीलों में एकल पीठ द्वारा आरक्षण का लाभ न देने के निर्णय को चुनौती दी गई थी। याचियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक खरे व जीके सिंह और एडवोकेट अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी, सीमांत सिंह आदि का कहना था की ईडब्ल्यूएस योजना 12 जनवरी 2019 को संविधान में 103वें संशोधन द्वारा लागू की गई। राज्य सरकार ने इसे 2020 में लागू किया लेकिन इससे पूर्व राज्य सरकार

ने 18 फरवरी 2019 को कार्यालय ज्ञाप जारी कर ईडब्ल्यूएस आरक्षण योजना लागू करने की घोषणा कर दी थी। कहा गया कि 69000 सहायक अध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया विज्ञापन जारी होने की तिथि 17 मई 2020 से आरंभ मानी जाएगी और उस समय प्रदेश में ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू हो चुका था इसलिए अभ्यर्थियों को ईडब्ल्यूएस आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। खंडपीठ के समक्ष तीन प्रश्न थे कि ईडब्ल्यूएस योजना 18 फरवरी 2019 से लागू मानी जाएगी या 31 अगस्त 2020 को एक्ट लागू होने की तिथि से।खंडपीठ ने नियुक्ति प्रक्रिया विज्ञापन जारी होने की तिथि से मानने पर भी विचार किया। खंडपीठ के समक्ष तीसरा प्रश्न था कि याची कोई राहत पाने के हकदार हैं या नहीं। खंडपीठ ने ईडब्ल्यूएस आरक्षण 18 फरवरी 2019 से लागू माना और एकल पीठ के इस मत को स्वीकार नहीं किया कि आरक्षण एक्ट लागू होने की तिथि से लागू माना जाएगा। इसी प्रकार विज्ञापन जारी करने की तिथि 17 मई 2020 से नियुक्ति प्रक्रिया को आरंभ माना। खंडपीठ ने कहा कि इस हिसाब से नियुक्ति प्रक्रिया आरंभ होने के समय ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू हो चुका था और राज्य सरकार को 69000 सहायक अध्यापक नियुक्ति का विज्ञापन जारी करते समय इसे लागू करना चाहिए था। याचियों को वर्तमान परिस्थितियों में 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस आरक्षण देने के प्रश्न पर खंडपीठ ने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। सभी 69000 नियुक्तियां की जा चुकी है। याचिकाओं में चयनित अभ्यर्थियों को पक्षकार नहीं बनाया गया है और न ही चयन प्रक्रिया को चुनौती दी गई है। खंडपीठ ने यह भी कहा की 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ किसे दिया जाए, इसके लिए मेरिट लिस्ट बनानी होगी लेकिन रिकॉर्ड पर ऐसा कुछ नहीं है। आवेदन करते समय किसी भी अभ्यर्थी ने अपने ईडब्ल्यूएस स्टेटस का विवरण नहीं दिया इसलिए अब तय करना मुश्किल है कि कौन अभ्यर्थी ईडब्ल्यूएस की श्रेणी में आएगा। यदि ऐसा विवरण एकत्र भी कर लिया जाए तो इस स्तर पर आरक्षण देने के लिए पूर्व में चयनित हो चुके लोगों को बाहर करना होगा लेकिन वे पक्षकार नहीं हैं। इसी के साथ खंडपीठ ने अपीलें खारिज़ कर दीं।

नाखून के आकार का माइक्रो पंप शरीर में पहुंचाएगा दवा

प्रयागराज। अनिकेत यादव भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा माइक्रो पंप तैयार किया है, जिससे बीमार व्यक्ति के शरीर में कोई दवा निर्धारित मात्रा और निर्धारित समय में पहुंचाई जा सकेगी। दवा समाप्त होने के बाद यह चेतावनी भी जारी करेगा ताकि डॉक्टर, पैरा मेडिकल स्टॉफ या फिर मरीज की देखरेख कर रहे तीमारदार को जानकारी हो सके। सेंसर और माइक्रोचिप से तैयार यह पंप नाखून के आकार है, जिसे बीमार व्यक्ति के शरीर में कहीं भी आसानी से लगाया जा सकता है। इस काम के लिए अभी बाजार में खास प्रकार का सिरिंज पंप या फिर पेरीस्टाल्टिक पंप उपलब्ध है लेकिन इसकी कीमत लगभग दस हजार है। दावा किया जा रहा है कि यह माइक्रो पंप मात्र 100 रुपये के खर्चे पर ही तैयार किया जा सकेगा। अप्लाइड साइंस विभाग के बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमित प्रभाकर और उनकी टीम की ओर से तैयार इस पंप को भारत सरकार ने बीस साल के लिए पेटेंट दिया है। पेटेंट के बाद इसे बिट्स गोवा और राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल ने खरीद भी लिया है। प्रोजेक्ट में शामिल बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के एमटेक छात्र अमर ध्वज ने बताया कि निर्धारित समय और मात्रा में दवा को मरीज के शरीर में इंजेक्ट करने में सक्षम यह पंप हार्मोनल थेरेपी, कैंसर में कीमोथेरेपी और मधुमेह की इंसुलिन थेरेपी में बेहद कारगर साबित होगा। यह दवाओं के अतिरिक्त डोज से होने वाले नुकसान को कम करने में मददगार होगा। इस पंप को तैयार करने वाली टीम अब इसे बाजार में उतारने की तैयारी में है, इसके लिए यह लोग खुद का एक स्टार्टअप भी शुरू करने की सोच रहे हैं।

रायपुर प्रेस क्लब में नारद जयंती पर होगी 'लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी -भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ करेगा साहित्यकारों/पत्रकारों को सम्मानित

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मोतीबाग स्थित रायपुर प्रेस क्लब में आद्य पत्रकार देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर 14 मई को प्रातः साढ़े दस बजे से राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। उक्त जानकारी भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के छत्तीसगढ़ राज्य प्रभारी प्रदीप सिंह ने देते हुए बताया कि 'लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई है जिसकी अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ विनय कुमार पाठक जी करेंगे और मुख्य अतिथि सुविख्यात साहित्यकार गिरीश पंकज जी होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर जी, छत्तीसगढ़ शोध संस्थान के अध्यक्ष डॉ राम कुमार बेहार, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ बालकृष्ण पाण्डेय, राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय की गौरवमयी उपस्थिति रहेगी। लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका' पर आयोजित संगोष्ठी में विषय प्रवर्तन वरिष्ठ साहित्यकार राम लखन गुप्ता (रीवां) द्वारा किया जाएगा। सम्मानित वक्ताओं में आचार्य अमर नाथ त्यागी अध्यक्ष हिन्दी साहित्य मण्डल रायपुर, पुरुषोत्तम मिश्रा प्रान्तीय अध्यक्ष मध्यप्रदेश, मधुसूदन सिंह प्रदेश मुख्य महासचिव उत्तर प्रदेश, निशांत भाई काम्बले सीईओ एम एन एस न्यूज़ नेटवर्क नागपुर महाराष्ट्र, श्याम नारायण श्रीवास्तव वरिष्ठ साहित्यकार रायगढ़, डॉ ललित सिंह ठाकुर वरिष्ठ साहित्यकार रायपुर सहित अन्य कई ख्यातिप्राप्त साहित्यकार पत्रकार उपस्थित रहेंगे। मंच सचालन प्रदीप सिंह करेंगे जिन्होंने सभी को समय से उपस्थित होने का आग्रह किया है।

सीमा पर तनाव घटा तो ट्रेनों की बुकिंग में आया उछाल

प्रयागराज। भारत पाकिस्तान सीमा पर तनाव कम होने और सीजफायर की घोषणा के बाद एक बार फिर से आरक्षित टिकट बुकिंग में तेजी आ गईहै। प्रयागराज मंडल में बीते 10 मई को रेलवे स्टेशनों और ऑनलाइन माध्यम से कुल 31,578 यात्रियों ने आरक्षण कराया था, जो 11 मई को बढ़कर 34,897 पहुंच गया। इस दौरान टिकट निरस्तीकरण के आंकड़ों में भी गिरावट दर्ज की गई है। नौ से 11 मई के बीच प्रयागराज, कानपुर, मिर्जापुर, अलीगढ़, टूंडला, फतेहपुर, मानिकपुर और इटावा समेत मंडल के प्रमुख स्टेशनों से कुल 88,025 यात्रियों ने टिकट बुक कराए। वहीं, इस अवधि में 73,223 टिकट निरस्त किए गए। नौ मई को जहां 27,534 टिकट रद्द किए गए थे, वहीं 10 मई को यह संख्या घटकर 26,142 हो गई। 11 मई को इसमें और गिरावट आई और केवल 19,547 टिकट ही निरस्त हुए।

इससे पूर्व तनाव के बीते तीन दिन में 70 हजार से अधिक यात्रियों ने अपना टिकट कैंसिल कराया था। इससे रेलवे को करोड़ों का नुकसान हुआ था।

यूपी में तेज धूप के बीच हो सकती है बारिश, चलेंगी हवायें

मुजफ्फरनगर सदेश भर में मौसम का मिजाज बदल रहा है। पिछले दिनों कई राज्यों में बारिश से लोगों की राहत मिली तो वहीं देश के कुछ राज्यों में भीषण गर्मी का दौर जारी रहा।यूपी के मौसम की अगर बात करें तो यूपी में आज हल्की बारिश और

तेज हवाएं चल सकती हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तापमान 38–40 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। तो यूपी के लगभग 30 जिलों में अगले तीन दिन में आज लू का अलर्ट जारी किया गया है। बिहार–यूपी में फिलहाल पारा चढ़ा हुआ है, राजस्थान में लू से कुछ राहत मिलेगी और देश के पहाड़ी इलाकों में प्री मानसून का असर दिखने की संभावना है।आज भी मौसम गर्म रहने वाला है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज दिल्ली में अधिकतम 39 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।उत्तर पश्चिम, उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान के ऊपर दो अलग–अलग चक्रवाती की स्थिति बनी हुई है।

मुजफ्फरनगर झांसी रानी व्यापार मंडल और ऑल इंडिया एंटी करप्शन सर्विस ट्रस्ट टीम ने एसएसपी का किया सम्मान

मुज़फ्फरनगर। झांसी रानी व्यापार मंडल ओर आल इंडिया एन्टी करप्शन सर्विस ट्रस्ट की टीम ने नव आगुन्तक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा का तस्वीर देकर और पटका

पहना कर स्वागत किया। जिलाध्यक्ष विक्की चावला विपिन सिंगल संजय गोस्वामी नदीम अंसारी सुरेंद्र कुमार लोकेंद्र पाल सरदार जी दांतो वाले और व्यापार मंडल की पूरी टीम मौजूद रही।

दुःखद भारतीय पत्रकारिता जगत ने अपना एक स्तंभ खो दिया!

मुजफ्फरनगर। देश के प्रतिष्ठित वरिष्ठ पत्रकार एवं इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (IFWJ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.के.विक्रम राव, जी का लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया! वे साँस संबंधी तकलीफ़ के कारण अस्पताल में भर्ती कराए गए थे, जहाँ उन्होंने अंतिम सांस ली! डॉ. राव पत्रकारिता के क्षेत्र में दशकों से सक्रिय थे और उन्होंने श्रमजीवी पत्रकारों की आवाज़ को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाया!उनका जीवन संघर्षशील पत्रकारिता, सिद्धांतनिष्ठ विचारों और निर्भीक लेखनी का पर्याय रहा! उनका पार्थिव शरीर 703, पैलेस कोर्ट अपार्टमेंट,निकट कांग्रेस कार्यालय,मॉल एवेन्यू, लखनऊ में अंतिम दर्शनार्थ रखा गया है! पत्रकारिता जगत के लिए यह अपूरणीय क्षति है,ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को यह वज्राघात सहने की शक्ति दे!

शहर समता विचार मंच, शिलोंग इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

शिलांग। शहर समता विचार मंच शिलोंग इकाई, मेघालय की महिला काव्य गोष्ठी डॉ अनिता पंडा ष्अन्वीष की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि विनय कुमार सिंह, गुवाहाटी, अति विशिष्ट चन्द्र शेखर शर्मा, जयपुर से, विशिष्ट अतिथि कागो मादो, अरुणाचल प्रदेश से

जुड़ी। यह काव्य गोष्ठी 11 मई, 2025 को रविवार को शाम 4 बजे गूगल मीट पर ऑनलाइन आयोजित की गई। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ विद्या मिश्रा द्वारा मधुर गणेश वंदना और सरस्वती वंदना से की गई और गोष्ठी का कुशल संचालन और संयोजन नीता शर्मा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ अनिता पंडा, गीता लिंबू, नीता शर्मा, सुनीता भट्ट गोजा, दया शर्मा, विद्या मिश्रा, मल्लिका दे विष्णु, कागो मादो, रश्मि लहर, चन्द्र शेखर शर्मा, रंजना वर्मा उन्मुक्त, अनुपमा प्रधान और नवीन कुमार राणा ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। मुख्य अतिथि विनय कुमार सिंह ने भी अपनी सार्थक प्रतिक्रियाओं द्वारा सबको प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डॉ अनिता पंडा ने सभी कलमकारों की रचनाओं पर प्रतिक्रिया देकर सबको प्रोत्साहित किया और अपनी कविता का भी पाठ किया। अंत में रश्मि लहर ने धन्यवाद ज्ञापन देकर काव्यगोष्ठी का समापन किया।

सीबीएसई 10वीं के परीक्षा परिणाम में छाए डी एस पब्लिक स्कूल के मेधावी

मंगलवार। आज घोषित हुए सीबीएसई दसवीं के परीक्षा परिणाम में हर बार की तरह इस बार भी डी एस पब्लिक स्कूल के मेधावियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी श्रेष्ठता साबित की। विद्यालय के मेधावियों ने अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन से स्वर्णिम सफलता अर्जित करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। स्कूल प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा ने बताया कि आज घोषित हुए सीबीएसई 10वीं के परीक्षा परिणाम के अनुसार विद्यालय के मेधावी छात्र शौर्य भारद्वाज ने 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। शौर्य ने सामाजिक विज्ञान एवं इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी तथा हिंदी में 100 में से 98 अंक तथा गणित एवं विज्ञान में 100 में से 97 अंक प्राप्त करके शानदार सफलता अर्जित की। विद्यालय की मेधावी छात्रा श्रद्धा कश्यप ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया। श्रद्धा ने गणित एवं इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी जैसे कठिन विषयों में 100 में से 99 अंक प्राप्त किये ।इनके अतिरिक्त श्रद्धा ने अंग्रेजी, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान में 100 में से 96 अंक प्राप्त करके शानदार सफलता प्राप्त की। विद्यालय के मेधावी छात्र शुभ करणवाल ने 96. 8:

अंक प्राप्त करके इस सिलसिले को आगे बढ़ाया। शुभ करणवाल वाल ने गणित में 100 में से99, संस्कृत एवं विज्ञान में 100 में से 98 तथा इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में 100 में से 96 अंक प्राप्त किये। विद्यालय के एक और मेधावी छात्र देवांश कुमार ने इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में 100 में से 97, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान में 100 में से 96 अंक प्राप्त करके कुल 95.8: अंक प्राप्त करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की होनहार छात्रा अवनी चौधरी ने इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में 100 में से 99, सामाजिक विज्ञान में 100 में से 97 तथा अंग्रेजी में 100 में से 96 अंक जैसी उपलब्धि प्राप्त करते हुए 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त करके विद्यालय एवं जनपद का नाम रोशन किया। विद्यालय की होनहार छात्रा धारणा शर्मा ने इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में 100 में से 99 तथा विज्ञान में एवं अंग्रेजी में 100 में से 91 तथा सामाजिक विज्ञान में 100 में से 90 अंक प्राप्त करके कुल 91.4: अंक प्राप्त करते हुए स्वर्णिम सफलता प्राप्तकी। छात्र सादिया शाहिद ने इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में 100 में से 95 तथा अंग्रेजी में 100 में से 92 अंक प्राप्त करके एवं छात्रा धानी बालियान ने सामाजिक विज्ञान में 100 में से 95 एवं विज्ञान में 100 में से 90 अंक प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता की खुशियां एक दूसरे को मिठाई खिलाकर साझा की।

विद्यार्थियों ने इस अवसर पर अपने गुरुजनों का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। स्कूल एजुकेशन डायरेक्टर श्रीमती संतोष जैन एवं स्कूल प्रधानाचार्य श्री गगन शर्मा ने सभी मेधावियों को उनकी स्वर्णिम सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की । विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने अभिभावकों के आशीर्वाद के साथ–साथ कठिन परिश्रम एवं अपने गुरुजनों के उचित मार्गदर्शन को दिया। सभी मेधावी विद्यार्थियों ने अपने भविष्य की योजनाओं के विषय में बताते हुए कहा कि भविष्य में उनका सपना अपने–अपने विषयों में उच्च अध्ययन करके देश की सेवा करना है।

पुलिस में चयनित अभ्यर्थियों को सम्मानित कर किया गया मोटिवेशन

मोरना। कस्बा भोकरहेडी के मोहल्ला लोकुपुरा दक्षिणी में स्थित लाईब्रेरी मे आयोजित कार्यक्रम मे दक्ष युवा जागरूकता मंच के तत्वाधान में यूपी पुलिस में चयनित युवाओं को सम्मानित कि kaushikshail253@gmail-com या गया।

अतिथियों ने यूपी पुलिस में चयनित शिवानी राजपूत पुण्डीर, पूजा राजपूत पुण्डीर, अभिषेक सहरावत, अभय सहरावत, अभिषेक सहरावत, उदित सहरावत, शुभम कुमार को उपहारस्वरूप बैग भेंट कर उनका स्वागत व सम्मान किया तथा यूपी पुलिस का हिस्सा बनने पर उन्हें शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य कैप्टन प्रवीण चौधरी ने कहा कि सफलता कठिन परिश्रम से

मिलती है। लक्ष्य बनाकर किया गया परिश्रम कभी बेकार नहीं जाता। पुलिस सेवा एक बड़ी जिम्मेदारी का कार्य है।जिसमें इंटेलिजेंसी महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक भाग को लगन के साथ सीखें और सेवा को उद्देश्य बनाकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े। पूर्व चेयरमैन राजेश कुमार ने कहा कि कस्बे के आठ युवक युवतियों का यूपी पुलिस में चयन होना अपने आप में एक उपलब्धि है।ग्रामीण प्रतिभाओं को उचित मार्ग दर्शन की आवश्यकता है।खेल व शिक्षा क्षेत्र मे कस्बे के युवा लगातार आगे बढ़ रहे हैं। भाजपा नेता राम कुमार शर्मा ने कहा की जहां संस्कार विकसित होंगे वहीं समाज भी विकसित होगा,शिक्षा विकास का माध्यम है। चौयरमैन प्रतिनिधि सचिन वामन ने कहा की कस्बे मे सकारात्मक वातावरण बनाने को वह लगातार प्रयासरत हैं कार्यक्रम के आयोजक डॉ. अनिल प्रजापति ने अन्य विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मेहनत कभी बेकार नहीं जाती। जो इस बार चयनित नहीं हो सके, वे निराश न हों और पूरी लगन से तैयारी जारी रखें, सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने छात्रों से नियमित रूप से तैयारी करने और अनुशासन के साथ पढ़ाई करने की अपील भी की। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम मे भाजपा किसान प्रकोष्ठ के चौधरी ब्रजवीर सिंह,डॉ. राज कुमार डॉ. विपिन कुमार, रवि आर्य, नवाब मलिक, सुभाष, हर्षित प्रजापति, शिमाल मलिक, अभय कुमार आदि उपस्थित रहे।

पी.आर. पब्लिक स्कूल में कक्षा 12 और कक्षा 10 के विद्यार्थियों ने लहराया विजय परचम

मुजफ्फरनगर। पचेंडा रोड स्थित पी.आर.पब्लिक स्कूल के कक्षा 12 के छात्र–छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण होकर अपनी योग्यता प्रदर्शित की। कक्षा 12 के विज्ञान संकाय के टॉप 5 छात्र–छात्राओं में अंश गर्ग 96.4:, ध्रुव गोयल 94.4:, संयम बाटला 93.6:, अक्षरा मित्तल 92.4: ,आदित्य, अनुष्का अग्रवाल 92.2: का नाम शामिल रहा। 'संयम बाटला ने' 'गणित विषय में 100 में से 100' 'अंक प्राप्त किए''इसके अतिरिक्त 80: से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं में पार्थ वशिष्ठ, वैभव कुमार ,सार्थक बालियान, अदिति पाल, जयदेव आर्य, भूमि, नेहा कौशिक, वैष्णवी सिंघल, अवनी तोमर आदि का नाम शामिल रहा। वही वाणिज्य संकाय में टॉप 3 में अपना स्थान बनाने वाले विद्यार्थियों में साक्षी नेगी 87.4:, शिवम 79.4:, शुभ नरूला 79.4:, सुमित शर्मा 79.4, उदिता 75: का नाम शामिल है। पेंटिंग विषय में ध्रुव गोयल, ध्रुव सोबती, अंश गर्ग, अनुष्का अग्रवाल, अवी शर्मा, अवनी तोमर, जयदेव आर्य, पार्थ अग्रवाल, प्राख्या अग्रवाल, पुलकित गोयल, सार्थक बालियान, अक्षरा मित्तल ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किया। कक्षा 10 में रितिका 91.6, कुंज अरोंड़ा 89.8, नमन सिंघल 88. 8 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप 3

में शामिल हुए। आन्य गोयल, आराध्या, नमन सिंघल ने हिंदी

संयम बाटला ने गणित में प्राप्त किया 100 में से 100 अंक

विषय में सर्वोच्च अंक 93, नमन सिंघल, रितिक ने इंग्लिश विषय में सर्वोच्च अंक 91, कुंज अरोड़ा ने गणित विषय में सर्वोच्च अंक 94, विज्ञान विषय में रितिक ने सर्वोच्च अंक92,सामाजिक विज्ञान में रितिक ने सर्वोच्च अंक 95 प्राप्त किया। स्कूल निदेशक अनक सिंघल तथा स्कूल प्रबंधक अशोक सिंघल जी ने सभी उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को उनकी सफलता के लिए बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सेना का मनोबल बढ़ाने को प्रमुख समाजसेवी ने की मां शाकुम्भरी मंदिर में पूजा अर्चना

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने भारतीय सेना को पराक्रमी बताते हुए कहा कि पहलगाम में निर्दोष, निहत्थे पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना का पराक्रम है। इसने हर भारतीय को गौरवान्वित किया और दुनिया ने भारत की ताकत को देखा। इस ऑपरेशन के सहारे भारतीय नागरिकों ने आतंकवाद का समूल नाश होने की आशा की थी, लेकिन ट्रंप के इशारे पर सरकार के सीज फायर के निर्णय से हर देशवासी को आघात पहुंचा और इससे सेना का भी कहीं न कहीं मनोबल गिरा है। ऐसे में भारतीय सैनिकों का मनोबल बढ़ाना की आरती में भाग लेकर प्रार्थना के साथ उन्होंने भुरादेव एवं मां शाकुम्भरी मंदिर जाकर पूजा अर्चना की।

प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का पोषक है, यह बात किसी से छिपी नहीं है। भारत अनेक बार इसके साक्ष्य भी दुनिया को दे चुका है। हर बार भारत ने संयम का प्रदर्शन किया है, लेकिन पहलगाम में निर्दोष 26 पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादियों को सबक सिखाना जरूरी है। ऑपरेश सिंदूर के सहारे भारतीय सेना ने जो पराक्रम दिखाया, उस पर देश के हर नागरिक को गर्व है। पूरा देश पाकिस्तान के खिलाफ सरकार के साथ एकजुट है, हर फैसले का समर्थन देश कर रहा है, लेकिन इस बार पाकिस्तान के खिलाफ गंभीर और निर्णायक कार्यवाही की आशा कर रहे नागरिकों को सीजफायर के निर्णय ने निराश किया है। उन्होंने कहा कि अपने तिरंगे का मान बचाने क लिए प्रत्येक भारतवासी एकजुट है और आज भी यही मांग हो रही है कि पाकिस्तान के खिलाफ, आतंकवाद के खिलाफ गंभीर और कठोर कार्यवाही की जाये। पीओके को वापस लेने का यह अच्छा अवसर था। इस निर्णय से सेना का मनोबल भी गिरा है। वो भारतीय सैनिकों के दीर्घायु होने और उनका मनोबल बढ़ाने की प्रार्थना लेकर मां शाकुम्भरी के दरबार में पहुंचे और वहां पर पूजा अर्चना की गई। उनका कहना है कि भारत सरकार को देश की भावना को देखते हुए पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़नी चाहिए।

रिश्ते बौने हो गए

(कुण्डलिया)

पैसों ने संबंध में, ऐसी भरी खटास।
रिश्ते बौने हो गए, गायब भाव–मिठास।
गायब भाव–मिठास, ठगी के बन परिचायक।
जिनसे बनता काम, उन्हीं को कहते लायक।
कहते सदा प्रदीप, बनाओ दूरी उनसे।
किया जहाँ पर तंग, हमेशा ही पैसो ने।।

आँखों का भ्रम जानिए, विज्ञापन–संसार।
जहाँ सत्य पर झूठ का, है पूरा अधिकार।
है पूरा अधिकार,यकीं कर लेना भाई।
अपनों का धर रूप,जहाँ पर रहें कसाई।
सुन लो कहें प्रदीप,न जल्दी कुछ भी करना।
पहले लेना परख,भरोसा कर आँखों का।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

खानम आर्ट गैलरी में कला प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं सम्मान समारोह

प्रयागराज। खानम आर्ट गैलरी करेली प्रयागराज में कल कला प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ, जिसका पद्मश्री श्याम बिहारी अग्रवाल जी ने फीता काटकर कला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कला प्रदर्शनी में विभिन्न कलाकारों की भावपूर्ण कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गईं हैं एक कॉर्नर में कलात्मक कालीन प्रदर्शनी भी लगी है, जिसे काफी सराहा गया। बच्चों के लिए विभिन्न कला

प्रतियोगिताएं आयोजित की गई , जिसमें मेहंदी व चित्रकला प्रतियोगिता एवं अंब्रेला डेकोरेशन कंपटीशन हुआ जिसके निर्णायक मंडल में राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा एवं वरिष्ठ कलाकार तलत महमूद ने इन प्रतियोगिताओं का निर्णय किया। प्रतियोगिताओं में विजेता बच्चों को मुख्य अतिथि द्वारा ट्रॉफी मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। अतिथियों ने खानम आर्ट गैलरी की निदेशक डॉ. ज़ाहेदा खानम को प्रदर्शनी के आयोजन के लिए बधाई दी गई और गैलरी की उन्नति और आगे के प्रचार के लिए आशीर्वाद दिया। खानम आर्ट गैलरी में 1 महीने का ग्रीष्म शिविर चल रहा है, जिसमें विभिन्न कलात्मक गतिविधियों अरेबिक कैलीग्राफी सिखाया जा रहा है। प्रदर्शनी में कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे, जिनमें डॉ. ग़ज़ाला, प्रोफेसर सबिहा उस्मानी, मिसेज़ सिद्दीकी, मिसेज़ उस्मानी, मिसेज़ खान,फौजिया,अरबिया सारा, इनाया, इरम फातिमा, सुमैया खालिद,फरीन जाफरी, मिन्हा अंसारी, रूम फतिमा,सुमैया खालिद, अक्सा आलम और अन्य शामिल थे।

इस्कश्वन मंदिर में चतुर्दशी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

लखीमपुर खीरी। बैशाख मास शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को स्थानीय इस्कॉन मन्दिर में श्री नृसिंह चतुर्दशी महोत्सव बड़े ही धूम धाम के साथ समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक डा महेन्द्र प्रताप सिंह रहे। श्री नृसिंह देव

की अदभुत लीला विषय पर इस्कॉन के उपदेशक श्रीमान रामप्यारे प्रभु जी ने विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का आगाज पुष्पाभिषेक तथा दीपदान सेवा से प्रारंभ हुआ। इसके पश्चात क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक डा महेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया। भक्तों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि सनातन की रक्षा के लिए आदि गुरु शंकराचार्य ने जन्म लेकर हजारों वर्ष पूर्व सनातन धर्म को बचाया था वहीं आधुनिक युग में पूज्य प्रभुपाद जी महाराज ने इस्कॉन भक्ति आंदोलन के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व में सनातनी भक्ति पद्धति की अलख जगाई। मुख्य अतिथि ने कहा निष्काम भक्ति ही कृष्ण का संदेश है हम सब स्वयं को इसी मंत्र के माध्यम से ईश्वर की सेवा में समर्पित कर दें। उन्होंने कहा प्रभुपाद जी महाराज के इस भक्ति आंदोलन की विजय यात्रा जारी है। इससे पूर्व हरे कृष्ण, हरे राम मंत्र का जाप किया गया तथा इसी मंत्र के स स्वर वाचन पर भक्त मंत्र मुग्ध होकर झूमते नजर आए।

सम्पादकीय.....

क्रिकेट का एक युग समाप्त

देश के दो प्रमुख क्रिकेटरों ने टेस्ट मैचों से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इससे भारतीय क्रिकेट के एक युग का समापन हो गया है। कप्तान रोहित शर्मा के बाद 12 मई को पूर्व कप्तान विराट कोहली ने भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया। भारत की ओर से अब ये दोनों केवल वनडे मैच खेलेंगे। अगले महीने भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे पर जाना है। वहां 20 जून से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज आरंभ होगी। इस लिहाज से इसे एक झटका कहा जा सकता है। दो अनुभवी खिलाड़ियों की गैर हाजिरी से टीम के जीतने की संभावना क्षीण हो जाएगी। इंग्लैंड की धरती पर उन्हें हराना कठिन चुनौती है। विराट उम्र में रोहित से दो साल छोटे हैं इसलिए उनसे अभी ऐसी उम्मीद नहीं थी। बीसीसीआई ने उनसे अपना फैसला बदलने के लिए भी कहा लेकिन विराट नहीं माने। वह इंग्लैंड दौरे के बाद यह निर्णय करते तो ज्यादा उचित होता। पर, रिटायरमेंट किसी भी खिलाड़ी का निजी फैसला होता है। इन दोनों ने जून 2024 में टी.20 विश्व कप जीतने के बाद एक साथ ही टी.20 फार्मेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। अब टेस्ट मैच को इन्होंने लगभग एकसाथ ही अलविदा कह दिया है। विराट कोहली से सचिन तेंदुलकर के सौ शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ने की उम्मीद की जा रही थी। पर, अब ऐसा नहीं होगा। अपने 14 साल के करियर में कोहली ने 123 टेस्ट खेले और कुल 9,230 रन बनाए। उनके नाम 30 शतक और 31 अर्ध शतक है। टेस्ट में 7 दोहरा शतक जड़ने वाले वे इकलौते भारतीय और दुनिया के एकमात्र कप्तान हैं। 254 नाबाद उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की जिसमें से 40 में जीत हासिल की। पिछले साल जब न्यूजीलैंड से भारत 3.0 से टेस्ट सीरीज हारा तब विराट कोहली और कप्तान रोहित की खूब आलोचना हुई थी। ऑस्ट्रेलिया दौरे के पहले टेस्ट मैच में विराट ने पर्थ में शतक लगाकर अच्छा संकेत दिया था लेकिन बाद के मैचों में उनकी फार्म फिर गड़बड़ रही। भारत यह सीरीज हार कर स्वदेश लौटा। वनडे में उनके 50 से अधिक शतक हैं। एक शतक टी.20 में है। सौ का आंकड़ा बहुत दूर नहीं था। मैदान पर विराट की आक्रामक मुद्रा टीम में जोश भरने के लिए काफी है। टेस्ट मैचों में पिछले कुछ वर्षों से विराट और रोहित दोनों का प्रदर्शन उतार पर था। विराट ने टेस्ट क्रिकेट में दस हजार रन पूरे करने से पहले ही संन्यास ले लिया। कप्तान रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का निर्णय अप्रत्याशित नहीं कहा जा सकता लेकिन विराट ने सबको चौंका दिया है। वह मौजूदा आईपीएल में भी उम्दा खेल दिखा रहे हैं। दो माह पहले दुबई में चौम्पियंस ट्राफी में उन्होंने पाकिस्तान के विरुद्ध शतक भी लगाया था। उम्मीद थी कि वह अभी दो.तीन साल और खेलेंगे। अब हम इन दोनों को वनडे में ही खेलते देख सकेंगे। इस खेल के लंबे प्रारूप में रोहित प्रदर्शन उतार.चढ़ाव वाला रहा है। 38 साल के रोहित पर उम्र का असर दिख रहा है। वर्ष 2024 में उनका प्रदर्शन बहुत निराशाजनक रहा। उनकी कप्तानी में भारत ने अपने घर में ही न्यूजीलैंड से तीन टेस्ट मैचों की सीरीज गंवाई। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की बार्डर.गावस्कर टेस्ट सीरीज में भी भारत को पराजय स्वीकार करनी पड़ी। हालत यह थी कि अंतिम टेस्ट मैच में कप्तान रोहित को खुद बाहर बैठना पड़ा। उनकी जगह जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की। कोच गौतम गंभीर से विवाद की खबरें भी सामने आईं। रोहित के नेतृत्व पर सवाल उठने लगे। उनसे संन्यास लेने की मांग की जाने लगी। खैर, अब जब रोहित ने टेस्ट मैच से हटने का फैसला किया है तो बीसीसीआई को नए कप्तान की तलाश करनी होगी। जून में भारतीय टीम को पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने इंग्लैंड का दौरा करना है। इसी के साथ विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप के अगले सत्र की शुरुआत हो जाएगी। रोहित शर्मा टी.20 से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। अब वह केवल वनडे मैच खेलते नजर आएंगे। जून 2024 में टी.20 विश्व कप जीतने के बाद उन्होंने इस प्रारूप से संन्यास लेने का ऐलान किया था। उनके साथ विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने भी देश की ओर से टी.20 नहीं खेलने का निर्णय किया था। रोहित ने 2007 के टी.20 विश्व कप से अपना अंतरराष्ट्रीय करियर आरंभ किया था। मगर, टेस्ट मैचों में उन्हें जगह देर से मिली। 2013 में जब वेस्ट इंडीज की टीम भारत आई तब रोहित को टेस्ट टीम में शामिल किया गया। पहले वह मध्य क्रम में खेलते थे। बाद में सलामी बल्लेबाज की भूमिका में आ गए। रोहित ने कुल 67 टेस्ट खेले जिसमें 12 शतक और 18 अर्ध शतक के साथ 4301 रन बनाए। पांच दिन के मैचों में 212 उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह आश्चर्य की बात है कि रोहित जैसा बड़ा खिलाड़ी सौ टेस्ट भी नहीं खेल पाया। ये आंकड़े उनके कद के अनुरूप नहीं हैं। विराट कोहली ने जब 2021 में कप्तानी छोड़ी तो रोहित शर्मा को यह जिम्मेदारी दी गई। वह सभी फार्मेट में कप्तान बने। बतौर कप्तान रोहित ने 24 टेस्ट मैच खेले जिसमें 12 जीते और 9 में पराजय मिली। इस दौरान उनका औसत 30.58 का रहा।

फिर आएगा गौरी: इतिहास के पन्नों से वर्तमान तक का सबक

प्रियंका सौरभ

आज का भारत भी बार–बार पाकिस्तान के साथ उसी भूल का शिकार होता नजर आ रहा है। बार–बार की गई शांति वार्ताएँ, संघर्षविराम समझौते, और आतंकवाद के हर वार को क्षमा करना क्या हमें फिर से एक कमजोर राष्ट्र की छवि नहीं दे रहा?

आजादी के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ कई बार समझौते और संघर्षविराम की कोशिशें की हैं, लेकिन पाकिस्तान की नीतियाँ और उसके आक्रमणों का कोई अंत नहीं आया। यह वही गलती है, जो पृथ्वीराज चौहान ने की थी। पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद गौरी को एक बार पराजित किया और उसे जीवनदान दिया, जो बाद में उनके साम्राज्य के पतन का कारण बना। यह उदाहरण हमें यह सिखाता है कि शत्रु के प्रति दया और माफी की आदत दीर्घकालिक रूप से हानिकारक हो सकती है। इतिहास की गलती पृथ्वीराज चौहान ने 1191 में तराइन की पहली लड़ाई में मोहम्मद गौरी को हराया और जीवनदान दिया। लेकिन 1192 में, गौरी ने फिर हमला किया और चौहान को हराकर पूरे भारतीय उपमहाद्वीप का भूगोल बदल दिया। क्या हम भी आज बार–बार माफी देकर वही भूल दोहरा रहे हैं? इतिहास अपने आप में एक जीवंत कथा है, जो समय–समय पर हमें चेतावनी देता है। इसे नजरअंदाज करने की भूल, एक सभ्यता के पतन की सबसे बड़ी वजह बनती है। पृथ्वीराज चौहान का उदाहरण इसका एक सटीक प्रमाण है। बार–बार की गई माफी और शत्रु पर दया दिखाने की भूल ने एक साम्राज्य को समाप्त कर दिया। यह केवल मध्यकालीन भारत की गाथा नहीं है, बल्कि आज के दौर में भी यह संदर्भ उतना ही प्रासंगिक है। पृथ्वीराज चौहानरू एक वीर राजा की भूलइतिहासकार मानते हैं कि पृथ्वीराज चौहान, अपनी वीरता और अदम्य साहस के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने कई युद्धों में अद्वितीय पराक्रम दिखाया, लेकिन जब बात मोहम्मद गौरी की आई, तो उनकी माफी देने की प्रवृत्ति ने उन्हें भारी नुकसान पहुँचाया। 1191 में तराइन की पहली लड़ाई में चौहान ने गौरी को पराजित किया और जीवनदान देकर एक गंभीर भूल की। अगले ही वर्ष, 1192 में गौरी ने फिर हमला किया और इस बार चौहान को हराने में सफल रहा। यह वह पल था जिसने भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास को हमेशा के लिए बदल दिया। इतिहास की पुनरावृत्ति क्या हम फिर से वही भूल कर रहे हैं?अगर हम अपने वर्तमान हालात पर नजर डालें, तो क्या हम भी उसी भूल की ओर बढ़ रहे हैं? बार–बार की माफी, नरमी और गलतियों से सबक न लेने की आदत हमें कमजोर बना रही है। चाहे वह सीमा सुरक्षा का मामला हो, या फिर आंतरिक सुरक्षा की चुनौती, हर बार की चुप्पी, समझौते और क्षमादान हमें कमजोर बना रहे हैं। क्या पाकिस्तान के साथ भी हम वही भूल दोहरा रहे हैं? आज का भारत भी बार–बार पाकिस्तान के साथ उसी भूल का शिकार होता नजर आ रहा है। बार–बार की गई शांति वार्ताएँ, संघर्षविराम समझौते, और आतंकवाद के हर वार को क्षमा करना क्या हमें फिर से एक कमजोर राष्ट्र की छवि नहीं दे रहा? पाकिस्तान, जो बार–बार हमारी सीमाओं पर हमला करता है, हमारे सैनिकों पर कायराना हमले करता है, और हमारे नागरिकों के खिलाफ आतंकी गतिविधियाँ प्रायोजित करता है, क्या उसे बार–बार माफ करना उचित है? क्या हमें इस बात का अहसास नहीं है कि जैसे गौरी ने चौहान की सहिष्णुता का गलत फायदा उठाया, वैसे ही पाकिस्तान भी हमारी हर माफी और नरमी को कमजोरी समझ सकता है? यह केवल सीमा पर गोलीबारी या आतंकी हमलों तक सीमित नहीं है, बल्कि कूटनीतिक मंचों पर भी हम बार–बार शांति और समझौते की बात करते हैं, जबकि दूसरी ओर से विश्वासघात और आक्रमण की नीति जारी रहती है। यह हमारी सहनशीलता और शांति की भावना का अपमान है, जिसे बार–बार नजरअंदाज करना एक गंभीर भूल हो सकती है। अमेरिका की छाया में खड़ा पाकिस्तानअमेरिका का रुख भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। इतिहास गवाह है कि कैसे अमेरिका ने पाकिस्तान को हर मोर्चे पर समर्थन दिया, चाहे वह सैन्य सहायता हो या वित्तीय मदद। अमेरिका ने कई बार पाकिस्तान को अपने भू–राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल किया, जबकि पाकिस्तान ने उस समर्थन का उपयोग भारत विरोधी गतिविधियों के लिए किया। यह हमें एक बार फिर सोचने पर मजबूर करता है दृ क्या हमें बार–बार माफ करने की नीति पर पुनर्विचार नहीं करना चाहिए? पाकिस्तान, जो आतंकवाद का सबसे बड़ा निर्यातक है, उसकी सैन्य और आर्थिक सहायता करने वाला अमेरिका, क्या भारत के रणनीतिक हितों के खिलाफ नहीं है? क्या यह समय नहीं आ गया है कि हम अपनी विदेश नीति को और अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएं, ताकि हमें किसी बाहरी शक्ति पर निर्भर न रहना पड़े? इतिहास हमें सिखाता है कि अगर हम अपने शत्रुओं की मंशा को बार–बार नजरअंदाज करेंगे, तो हमें फिर से उसी त्रासदी का सामना करना पड़ेगा जो पृथ्वीराज चौहान ने की थी। माफी की आदत हमें वीर से विवश बना सकती है, और समझौते की कमजोरी हमारे गौरव को मिटा सकती है। समय आ गया है कि हम अपने इतिहास से सबक लें और अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि मानें। माफी एक आदर्श हो सकती है, लेकिन जब बात राष्ट्रीय सम्मान और स्वाभिमान की हो, तब हमें पाषाण की तरह अडिग और लोहे की तरह कठोर होना पड़ेगा। यही संदेश इस कविता में छिपा है दृ माफी की जगह पराक्रम, और समझौते की जगह संकल्प। अमेरिका ने पाकिस्तान को कई बार समर्थन दिया है, जबकि

पत्रकारों की पीड़ा और उनकी आवाज़: एक सच्चाई जो छिपाई नहीं जा सकती!

– अखबार वालों का काम बारूद की चिंगारी से खेलना काम होता है!लोग फूलों की सेज पर सोते हैं लेकिन पत्रकार कांटो की सेज पर सोता है जब सच्चाई लिखता है तो उसकी लाश रोड पर मिलती है!–

'प्रधानमंत्री जी के चौथे स्तंभ का क्या हुआ?'

– प्रधानमंत्री जी पत्रकारों को चौथा स्तंभ बताते हैं,लेकिन क्या सच्चाई यह है? जब एक पत्रकार जमीन पर काम करता है,तो उसे अपनी मेहनत और सच्चाई से जुड़ी पूरी जानकारी होती है! प्रशासन के पास तो अपने सूत्र होते हैं,लेकिन जमीनी स्तर पर काम करने वाले पत्रकारों के सूत्र कहीं अधिक मजबूत होते हैं!–

– कभी–कभी ऐसी स्थिति आती है कि प्रशासन को भी उन पत्रकारों की मदद लेनी पड़ती है!लेकिन जब वही पत्रकार भ्रष्टाचार की पोल खोलता है,तो उसे नजर अंदाज किया जाता है!उल्टे उसे डराया–धमकाया जाता है,और सच्चे और ईमानदार पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई की योजना बनाई जाती है!–

– यही कारण है कि या तो ऐसे पत्रकार जेल में बंद हो जाते हैं,या फिर किसी साजिश का शिकार होकर अपनी जान गंवाते हैं!–

'शहीदों को सम्मान, पत्रकारों का तिरस्कार?'

– सरकारी तंत्र में एक ऐसी व्यवस्था बन चुकी है कि अगर सैनिक बॉर्डर पर शहीद होता है तो उसे शहीद का दर्जा मिलता है और नेता की मौत होने पर उसे सम्मान दिया जाता है, लेकिन पत्रकार को, जो सच्चाई को उजागर करने के लिए लगातार संघर्ष कर रहा है, किसी सम्मान की कोई उम्मीद नहीं होती! उसकी मौत पर न तो किसी को कोई फर्क पड़ता है,और न ही उसके परिवार को कोई मदद मिलती है!

'सच्चाई के लिए संघर्ष,शोषण की सजा?'

– हम सच्चाई लिख रहे होते हैं,लेकिन हमें झूठ का सामना करना पड़ता है!हम सिर्फ भ्रष्टाचार और उसकी सच्चाई सामने लाने की कोशिश कर रहे हैं,लेकिन इसके बदले हमें सजा मिलती है!मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री जी से हम बस यही निवेदन करते हैं कि अच्छे और सच्चे पत्रकारों को नजरअंदाज करने के बजाय,उन्हें सख्त सुरक्षा और सम्मान मिलना चाहिए!यदि प्रशासन में कोई भ्रष्ट अधिकारी,नेता या भू माफिया है,तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए!–

'सिस्टम में बदलाव की जरूरत है!'

– अगर लोगों द्वारा कोई बड़ा भ्रष्टाचार किया गया है,तो उसकी वसूली भी उन्हीं से की जानी चाहिए और उन्हें जरूर सजा मिलनी चाहिए!इसके लिए अगर केंद्र और राज्य सरकार को कोई नया कानून बनाना पड़े तो वह अवश्य बनाया जाए!–

– कलम के सिपाहियों का साथ दीजिए,क्योंकि तभी हमारा भारत सच्चे मायने में एक स्वच्छ,सुंदर और विकसित भारत बन सकेगा!वरना कागज पर तो तमाम योजनाएं हैं,लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है!–

'पत्रकारों का शोषणरूक्या यही है लोकतंत्र?'

– जब कोई पत्रकार सच्चाई को सामने लाने की कोशिश करता है,तो सिर्फ उसका शोषण किया जाता है!यह स्थिति न केवल पत्रकारिता के लिए खतरे की घंटी है,बल्कि समाज और लोकतंत्र के लिए भी एक गंभीर संकट है!जब कोई पत्रकार सच्चाई को सामने लाने की कोशिश करता है,तो उसे सबसे ज्यादा शोषण का सामना करना पड़ता है!–

डॉ सतीश अग्रवाल
'हैल्थ इस वैल्थ'
सोशल मीडिया एक्टिविस्ट
सेवा एवं समाज रत्न से अलंकृत
(2019 पुनः 2022)

जागो

हमारे कुछ फरिश्तों ने आज
जगा दिया है पूरा हिन्दुस्तान।
हम सनातनी रखते यह भाव
विश्व में रहे अमनचौन विद्यमान।
पर जब बढ़ते हैं अत्याचार
तबयुद्ध ही मात्रविधाता विधान।
।हमारे––।

सिन्धुप्रान्त की नदियों का जल
जो बहकर जा रहा पाकिस्तान।
इसको पहले कर देते बंद
अब तक पाक होता रेगिस्तान।
आतंकवाद की टूटती कमर
बिलबिलातादिखतापाकिस्तान।
।हमारे–––।

कितनी बुरी दुर्दशा है आज
कैसादिखता हमारा हिन्दुस्तान।
शौहर है जिनके पाकिस्तान
उनके बच्चे पल रहे हिन्दुस्तान।
जीजा साले के रिश्ते गहन
कैसै युद्ध करेंवो मुस्लिमजवान।
।हमारे–श––।

घुसपैठिए घुस आये तमाम
हम सोते रहे बनकर नादान।
मेरे भाई जागो तो अब
संकट में है हमारा हिन्दुस्तान।
यह फरिश्ते नहीं आते अगर
इस्लामिक बन जाता हिन्दुस्तान
।हमारे––।

पहलगाम में हत्या करके निर्मम
सोचा था छोड़ देगा हिन्दुस्तान।
बब्बर शेर हैं मोदी जी आज
वीर धीर राजनीतिक बलवान।
मारे आतंकी घर में घुसकर
इधर उधरभाग रहा पाकिस्तान।
।हमारे–––।

भलाई है पाक जाये सुधर
वर्ना पछतायेगा पाकिस्तान।
देश हमारा किया है विकास
अब नहीं पहलेजैसा हिन्दुस्तान।
एक रहोगे नेक रहोगे मंत्र दे
योगीजी जगाये पूरा हिन्दुस्तान।

स्वरचित रचना।
कवि केशव सक्सेना।
ओमगायत्रीनगर प्रयागराज।

बालिकाओं स्त्रियों का शिक्षा विहीन जीवन, शोषण का शिकार

देश की महिलाओं, स्त्रियों और बालिकाओं के सक्षम एवं सफल जीवन के लिए एक दीर्घकालिक योजना पर अमल किया जाना चाहिए। स्त्रियों के शोषण,अत्याचार के विरुद्ध पंचवर्षीय योजना की तरह शिक्षा,साक्षरता एवं ज्ञान की वृद्धि के लिए विशेष तौर पर महिलाओं तथा बच्चों के लिए एक विशेष अभियान चलाने की गंभीर आवश्यकता है। बालिकाएं स्त्रियां पढेंगी तभी इतिहास रचेंगी और देश को सशक्त बनाने का प्रयास करेंगीं। भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश है। भारत की जनसंख्या में पुरुषों के साथ–साथ की स्त्रियों तथा बच्चों की भी जनसंख्या भी बहुत ज्यादा है। देश में स्त्री शोषण की विविधता और धार्मिक कट्टरता को देखते हुए नारियों को शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है, विशेष तौर पर स्त्री तथा बच्चों को बुनियादी शिक्षा तथा साक्षरता की महती आवश्यकता देश में महसूस की जा रही है। स्त्रियां अपने परिवार ,घर और समाज की देखरेख करती हैं अतः उनका शिक्षित होना बहुत ज्यादा आवश्यक भी है, बच्चे देश का भविष्य है अतः उनका शिक्षित होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किसी भी देश के एक सफल नागरिक को होना चाहिए। स्त्री और शिक्षित होंगी तो स्वयं और अपने परिवार को अच्छे बुरे और असामाजिक घटनाओं से सचेत रहने की शिक्षा भी दे सकती हैं जिससे एक सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक आंदोलन की महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि को तैयार किया जा सकता है। भारत में चाहे विकास की बात हो, सार्वभौमिकता की बात हो,सत्य, अहिंसा की बात हो या बात करोना संक्रमण से बचने की हो,हमें शिक्षा एवं व्यापक साक्षरता की महती आवश्यकता हैस जिस तरह जल के बिना जीवन नहीं होता है,उसी तरह साक्षरता और शिक्षा के बगैर मनुष्य का जीवन निरर्थक हैस अशिक्षित आदमी ना तो अपने परिवार ना ही समाज के लिए उपयोगी हो सकता हैस इसके लिए सबसे पहले हमें स्त्रियों की शिक्षा और साक्षरता के मूल अंतर को समझना होगास शिक्षा जीवन के महत्व, संकल्पना को निरूपित करती है वही साक्षरता मनुष्य के संपूर्ण जीवन को अंश मात्र से ही अपना पक्ष रखती हैंस शिक्षा व्यक्ति के संपूर्ण जीवन पद्धति को विकसित करने का जरिया तथा महत्वपूर्ण विकल्प हैस जिसके अंतर्गत पढ़ना,लिखना, समझना चरित्र विकास बौद्धिक मानसिक मनोवैज्ञानिक आध्यात्मिक सभी पहलुओं में गुणात्मक विकास करने के लिए आवश्यक कारक हैस साक्षरता में संस्कृतिक सभ्यता तथा अन्य माननीय जीवन की कल्पना से इसका कोई संबंध नहीं रह जाता हैस साक्षरता सदैव रोजगार मूलक तथ्यों से जुड़ी होती है। जबकि सभ्यता संस्कृति का विकास मानवी शिक्षा से ही संभव हो पाता हैस शिक्षा हमें सभ्य होना सिखाती है। इसमें व्यक्ति के मनन, चेतना, सद्बुद्धि और विचारशीलता में वृद्धि करती हैस ऐसा भी संभव होता है कि कई वर्षों के अध्ययन से व्यक्ति सभ्य और सुसंस्कृत नहीं हो पाता है। इसीलिए विचारकों ने शिक्षा और संस्कृति को अलग–अलग पैमाने से नापा हैस सुसंस्कृत व्यक्ति सदैव संतुलित, शांत एवं नीति निर्णायक बन सकता है।पर कई उदाहरणों में ऐसा भी पाया गया है उच्च शिक्षित व्यक्ति उच्छृंखल हो सकता है. वर्तमान समय में उच्च शिक्षित और ज्यादा पढ़े लिखे अज्ञानियों की संख्या बहुतायत में हैस ऐसा ज्यादातर तकनीकी शिक्षा के मामले में देखा गया है, इसीलिए उच्च शिक्षित व्यक्ति जो सद व्यवहार नहीं करता, उन्हें केवल साक्षर मान के शिक्षित व्यक्ति ना माना जाएस शिक्षा और संस्कृति तथा विरासत के मूल्य का आपस में गहरा संबंध है। जबकि साक्षरता का इससे बहुत दूर–दूर तक कोई लेना देना नहीं है। वैसे शिक्षा और संस्कृति के ज्ञान का प्रारंभिक गर्भावस्था से ही हो जाता है, अर्जुन पुत्र अभिमन्यु इस बात के बहुत बड़े उदाहरण हैस महात्मा गांधी तथा अब्राहम लिंकन ने मनुष्य के चरित्र निर्माण एवं विकास के लिए माताओं का योगदान बहुत महत्वपूर्ण बताया है। परिवार की शिक्षा के बाद विद्यालयों की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसमें अनुशासन, सहभागिता, समानता एवं नेतृत्व जैसे गुणों का समावेश होता हैस पुस्तकों का ज्ञान व्यक्ति एवं व्यक्ति के जीवन में संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देता हैस पर शिक्षक की भूमिका जिंदगी में बड़ी ही प्रेरणादाई होती है। यह कहा जाता कि बिना गुरु ज्ञान नहीं हो सकता है, लोकोक्ति सही भी है, शिक्षकों का मार्गदर्शन खेल खेलने से विकसित होने वाले मूल्य जैसे समूह की भावना, निष्पक्षता, ईमानदारी,साहस की भावना को परिष्कृत करती हैस ऐसे कई उदाहरण हैं की बिना साक्षरता के व्यक्ति पूर्ण रूप से शिक्षित एवं सुसंस्कृत हो सकता हैस अपने समय के महान चिंतक फिलासफर सुकरात ने कहा था कि मैं शिक्षित अथवा ज्ञानी इस अर्थ में हूं,कि मैं कुछ नहीं जानता। शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अहंकार,लालच, हिंसा, कटुता आदि को नियंत्रित करने में मदद देती है। पुराण काल में रावण प्रकांड पंडित एवं साक्षर व्यक्ति माना जाता था पर स्त्री के अपहरण में उसका कृत्य अहंकार लालच लिप्सा उसकी साक्षरता को सार्थक नहीं कर पाई। पर आज के संदर्भ में जब आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है, साक्षरता ने शिक्षा की जगह वरीयता प्राप्त करना शुरू कर दिया है। यह माना जाता है जिस व्यक्ति के पास अच्छी नौकरी अच्छा पद और मोटी मोटी तनख्वाह है, उसका समाज ज्यादा ही सम्मान करने लगता है। इन्हीं कारणों से समाज मूल्य तथा संस्कृति के विकास को दरकिनार कर रोजगार मूलक साक्षरता को ही आज वरीयता देता है। और समाज उसे सिर आंखों पर बिठा के रखता है। इससे समाज के दीर्घकालिक सांस्कृतिक मूल्यों का हनन होता है, एवं क्षति भी होती है। और इस प्रक्रिया में साक्षरता पक्ष होने के कारण रोजगार साधन बन जाते हैं। एवं साधनों की परवाह न कर इसकी खुली अवहेलना हो लोग करने लगे हैं ,और इसी कारण शिक्षा के क्षेत्र में नकल, फर्जीवाड़े,धन देकर नौकरी प्राप्त करना आदि की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। साक्षर तो घोटालेबाज केतन पारेख हर्षद मेहता एवं कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन भी थे, किंतु इनकी शिक्षा की सार्थकता समाज द्वारा सदैव नापसंद की गई एवं समाज इन्हें हेय दृष्टि से देखने लगा है। आज के संदर्भ में ऐसी शिक्षा या साक्षरता की आवश्यकता है, जो मानव जीवन में मूल्यों का विकास एवं मूल्यों की प्रतिबद्धता विकसित कर सके। जिससे समाजिक गिरते मूल्यों तथा विरासत की अवहेलना ना हो सके। बिना मूल्यों के बिना संस्कृतिक विचारधारा के साक्षर होना ठीक उसी तरह है जैसे किसी बंदर के हाथ में बंदूक या उस्तरा देना है। हमें आज नैतिक साक्षरता देने की आवश्यकता होगी, जिससे व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास विरासत की रक्षा तथा मानवीय संवेदनाओं का संपुट हो, जो व्यक्ति को एक अच्छा इंसान बना सकें।

‘मैं ऐसी फिल्म करना चाहता था जिससे मुझे सम्मान मिले’, सूरज पंचोली ने इंटरव्यू किए जिंदगी से जुड़े खुलासे

सूरज पंचोली आदित्य पंचोली और ज़रीना वहाब के बेटे हैं, जिन्होंने 2015 की एक्शन–थ्रिलर हीरो से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। सूरज की ज़िंदगी तब पलट गई जब उनकी तत्कालीन गर्लफ्रेंड जिया खान ने अपने सुसाइड नोट में बताया कि कैसे सूरज उनके साथ शारीरिक दुर्व्यवहार करता था और उन्हें प्रताड़ित करता था। सबूतों के अभाव के कारण 2013 में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने सूरज को जमानत दे दी थी। इस घटना ने सूरज पंचोली के करियर और सार्वजनिक छवि को बुरी तरह प्रभावित किया। अब अपनी आने वाली फिल्म केसरी वीर के साथ, सूरज पंचोली मीडिया से बात कर रहे हैं और अपने सफ़र के बारे में कुछ खुलासे कर रहे हैं। उनमें से एक था संजय लीला भंसाली की गुज़ारिश के सेट पर सहायक निर्देशक के रूप में अपने समय के बारे में बात करना। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय बच्चन मुख्य भूमिका में थे। पीटीआई के साथ हुए इंटरव्यू में सूरज पंचोली ने कहा मुझे कुछ सम्मान वाला काम करना था। बड़े पर्दे से पिछले करीब चार साल से दूर अभिनेता सूरज पंचोली का कहना है कि वह फिल्मी दुनिया में वापसी करने के लिए अपनी नवीनतम फिल्म ‘केसरी वीरः लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ’ जैसी कहानी का इंतजार कर रहे थे। अभिनेता ने इससे पहले 2021 में आई ‘टाइम टू डांस’ फिल्म में अभिनय किया था, जिसमें कैटरीना कैफ की छोटी बहन इसाबेल भी थीं। फिल्म ‘केसरी वीर’ में पंचोली ने राजपूत योद्धा वीर हमीरजी गोहिल का किरदार निभाया है और इस फिल्म के निर्देशक प्रिंस धीमान है।

चार साल तक पर्दे से दूर रहे सूरज पंचोली

अभिनेता पंचोली (34) ने कहा, ‘‘मैं कई पटकथाएं सुन रहा था, लेकिन मैं ऐसी फिल्म करना चाहता था जिससे मुझे सम्मान मिले।’’ अभिनेता ने कहा, ‘‘जब आपके काम की सराहना नहीं होती तो आप वास्तव में निराश महसूस करते हैं। इसलिए मैं ऐसी फिल्म करना चाहता था, जिसके बारे में लोग कहें कि ‘सही है, शायद सूरज सक्षम है।’ अभिनेता आदित्य पंचोली और अभिनेत्री जरीना वहाब के बेटे सूरज पंचोली पर 2013 में अपनी प्रेमिका जिया खान को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया था। मुंबई में केंद्रीय अन्वेष्ण ब्यूरो (सीबीआई) की एक विशेष अदालत ने सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए 2023 में उन्हें बरी कर दिया था। अभिनेता ने कहा कि वह फिल्मों में काम शुरू करने से पहले अपनी ‘जिंदगी को पटरी पर लाना’ चाहते थे। उन्होंने कहा, ‘‘मैंने एक दिन अपने माता–पिता के पास बैठकर उनसे बात की। मैंने कहा, ‘मुझे वह (अदालती मामला) खत्म करने दीजिए, मैं बाद में काम करूंगा।’’

> “
> सूरज पंचोली ने कहा मुझे कुछ सम्मान वाला काम करना था। बड़े पर्दे से पिछले करीब चार साल से दूर अभिनेता सूरज पंचोली का कहना है कि वह फिल्मी दुनिया में वापसी करने के लिए अपनी नवीनतम फिल्म ‘केसरी वीरः लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ’ जैसी कहानी का इंतजार कर रहे थे। अभिनेता ने इससे पहले २०२१ में आई ‘टाइम टू डांस’ फिल्म में अभिनय किया था, जिसमें कैटरीना कैफ की छोटी बहन इसाबेल भी थीं।

उन्होंने कहा, ‘‘ईश्वर का शुक्र है कि अब मैं इन सबसे पार पा चुका हूं। यह पहली फिल्म है जिसे मैंने खुले मन से और ध्यान केंद्रित करके किया है।’’ ‘केसरी वीर’ में पंचोली, सुनील शेट्टी के साथ नजर आएंगे। 2015 में पंचोली ने सुनील शेट्टी की बेटी आथिया के साथ ‘हीरो’ फिल्म से अभिनय की शुरूआत की थी। इस फिल्म में आदित्य पंचोली ने भी काम किया था। ‘केसरी वीर’ फिल्म में विवेक ओबेरॉय और आकांक्षा शर्मा भी हैं। चौहान स्टूडियो के कनु चौहान द्वारा निर्मित यह फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कैजुअल लुक में एयरपोर्ट पर स्पॉट हुई तेजस्वी प्रकाश, पैपराजी को देख करण कुंद्रा की जीएफ ने छिपाया चेहरा

टीवी एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश इंडस्ट्री का चर्चित नाम हैं। तेजस्वी जहां भी जाती हैं वहां उनके पीछे पैपराजी पहुंच जाते हैं। एक्ट्रेस भी हमेशा ही पैप्स को मुस्कुराते हुए पोज देती हैं मगर इस बार वो अपना मुंह छुपाते हुए नजर आती हैं। जी हां, हाल ही में तेजस्वी मुंबई एयरपोर्ट पर दिखी। इस दौरान वह बहुत ही सिंपल लुक में नजर आईं। उन्होंने जैसे ही पैपराजी को देखा तो अपना मुंह छिपा लिया। लुक की बात करें तो तेजस्वी से ब्लू डेनिम के साथ ग्रीन एंड ब्लैक चेक शर्ट पहनी थी। तेजस्वी बहुत ही सिंपल लुक में थी इस वजह से वो पैपराजी से बचती हुईं नजर आईं। वर्कफ्रंट की बात करें तो तेजस्वी प्रकाश आखिरी बार सेलिब्रिटी मास्टर शेफ्स में नजर आईं थीं। जहां पर उन्होंने अपने बेहतरीन खाने से सभी को इंप्रेस किया है।

बेवकूफ औरत के लिए परिवार नहीं छोड़ेगे गोविंदा सुनीता आहूजा ने रिश्ते पर जताया भरोसा

बोलीं–विश्वास है भगवान कभी मेरा घर नहीं तोड़ेंगे

इस साल की शुरुआत में गोविंदा और सुनीता आहूजा के 38 साल की शादी के बाद अलग होने की अफवाहें उड़ी थीं। सुनीता के कई बयान भी चर्चा में रहे जिनमें उन्होंने सालों से पति से अलग रहने की बात कही थी। इन स्टेटमेंट्स के बाद उनके और गोविंदा के अलग होने की अफवाहें और तेज हो गईं हालांकि बाद में सुनीता ने इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी और साफ किया कि वह और गोविंदा अलग नहीं हो रहे हैं। दशकों पुरानी शादी में दरार की लगातार अफवाहों के बावजूद, सुनीता आहूजा एक बार फिर सच्चाई बयां करने के लिए आगे आई हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलकर बोलते हुए बॉलीवुड आइकन गोविंदा की पत्नी ने अलगाव की किसी भी बात को नकार दिया और अपना अटूट विश्वास दिखाया कि उनका बंधन अटूट है। सुनीता आहूजा ने कहा–जिस दिन कन्फर्म होगा या मेरे और गोविंदा के साथ आप लोग सुनोगे वो अलग बात है।लेकिन मुझे नहीं लगता कि गोविंदा मेरे बिना रह सकता है न ही मैं गोविंदा के बिना रह सकती हूं। और गोविंदा कभी भी किसी बेवकूफ औरत के लिए अपने परिवार को नहीं छोड़ सकता। सुनीता ने कहा–पहले पूछें कि क्या यह सच है। मैं इसे कभी स्वीकार नहीं करूंगी और अगर किसी में हिम्मत है तो उन्हें मुझसे सीधे पूछना चाहिए। अगर ऐसा कुछ भी होता है तो मैं सबसे पहले मीडिया से बात करूंगी लेकिन मुझे विश्वास है कि भगवान कभी मेरा घर नहीं तोड़ेंगे। दोनों की मुलाकात तब हुई जब गोविंदा अपनी बी.कॉम की पढ़ाई पूरी कर रहे थे और सुनीता 9वीं कक्षा में थींअपनी बहन के घर पर रहती थीं जो गोविंदा के मामा की पत्नी थीं। एक मुश्किल शुरुआत के बावजूद, प्यार परवान चढ़ा।कपल ने 1986 में शादी की। वे दो बच्चों–टीना आहूजा और यशवर्धन आहूजा के माता–पिता हैं।

रिलीज हुई सोनाली बेंद्रे की दूसरी पुस्तक `ए बुक ऑफ बुक्स’, एक्ट्रेस ने कहा-अभी मैं खुद को लेखक नहीं कहूंगी

हाल ही में अपनी दूसरी पुस्तक ‘ए बुक ऑफ बुक्स’ लिखने वाली अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे का कहना है कि उनके मन में लेखकों के लिए ‘बहुत अधिक सम्मान’ है और जब तक वह कम से कम 20 किताबें नहीं लिख लेतीं तब तक वह खुद को लेखक नहीं कहेंगी। ‘दिलजले’, ‘मेजर साब’, ‘सरफरोश’, ‘जख्म’ और ‘हम साथ–साथ हैं’ जैसी फिल्मों के लिए मशहूर बेंद्रे ने कहा कि मशहूर होने के नाते उन्हें लिखने और सार्थक बातचीत में शामिल होने का ‘विशेषाधिकार’ मिलता है, हालांकि वह अभी भी खुद को मुख्य रूप से एक अभिनेत्री के रूप में ही देखती हैं। बेंद्रे ने साक्षात्कार में कहा, ‘‘मैं खुद को लेखक तभी कहूंगी जब मैं 20 किताबें लिख लूंगी। उससे पहले में खुद को लेखक नहीं कह सकती। मेरे मन में लेखकों के लिए बहुत सम्मान है – वे क्या करते हैं, वे किस तरह लिखते हैं, एक लेखक किस तरह आपको कहीं ले जाता है, वे किस तरह आपको सोचने पर मजबूर करते हैं; यह सब केवल एक लेखक ही कर सकता है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘इसलिए, मैंने कभी भी खुद को लेखक के रूप में नहीं सोचा। मैंने हमेशा खुद को एक अभिनेत्री के रूप में देखा है, लेकिन यह एक रचनात्मक क्षेत्र है। मैं एक रचनात्मक महिला हूं और आप अपनी रचनात्मकता को कई तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं।’’ किताबों के प्रति अभिनेत्री के जुनून ने उन्हें ‘सोनाली बुक क्लब’ शुरू करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 2015 में ‘द मॉडर्न गुरुकुल रू माई एक्सपेरिमेंट विद पैरेंटिंग’ के साथ अपने लेखन की शुरुआत की। उनकी नवीनतम किताब ‘ए बुक ऑफ बुक्स’ ऐसी पुस्तक है जो पढ़ने के शौकीनों के साथ पढ़ने की कम इच्छा रखने वाले सभी तरह के लोगों के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह पुस्तक पढ़ने के महत्व, विशेषकर युवावस्था से ही पढ़ना शुरू करने के महत्व पर प्रकाश डालती है। यह पुस्तक हाल ही में जारी हुई है। रोहिना थापर द्वारा तैयार किए गए रंगबिरंगे रेखाचित्रों से सजी यह पुस्तक हर वर्ग के पाठकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह सुझाव देती है कि बच्चों को क्या पढ़ना चाहिए, युवाओं और वयस्कों को क्या पढ़ना चाहिए।

एनटीआर ने नाटू नाटू सॉन्ग को बताया चिरंजीवी और बालकृष्ण बाबाई के लिए ट्रिब्यूट

जूनियर एनटीआर ने एस. एस. राजामौली की फिल्म आरआरआर से दुनियाभर में तहलका मचा दिया था। इस फिल्म में उनका दमदार परफॉर्मेंस देख फैंस से लेकर क्रिटिक्स तक सब हैरान रह गए। आरआरआर में उनके किरदार ने बड़े पर्दे पर जो छाप छोड़ी, वो वाकई यादगार है। इस फिल्म को इंटरनेशनल लेवल पर खूब सराहना मिली, खासकर इसके गाने नाटू नाटू के लिए, जिसने 2023 के ऑस्कर में बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का खिताब जीता। जूनियर एनटीआर और राम चरण की जबरदस्त एनर्जी, परफॉर्मेंस और केमिस्ट्री ने दुनिया को अपने बीट्स पर नचाया। हाल ही में जूनियर एनटीआर ने डायरेक्टर राजामौली और राम चरण के साथ लंदन के रॉयल अल्बर्ट हॉल में एक लाइव कॉन्सर्ट में हिस्सा लिया। इस इवेंट में उन्होंने नाटू नाटू की ग्लोबल सक्सेस पर बात की और बताया कि यह गाना उनके अंकल बालकृष्ण बाबाई और राम चरण के पिता चिरंजीवी जैसे दिग्गजों को समर्पित है।जूनियर एनटीआर ने इस गाने से जुड़ी भावनात्मक अहमियत के बारे में बात करते हुए कहा, आप जानते हैं, उनके पिता (चिरंजीवी गरु) बेहतरीन डांसर्स में से एक माने जाते हैं, और मेरे अंकल (बालकृष्ण बाबाई) भी शानदार डांसर रहे हैं। तो नाटू नाटू एक तरह से इस याद की झलक है कि अगर उनके पिता और मेरे अंकल साथ में डांस करते तो वह कैसा होता। यह गाना इन महान डांसर्स को मेरी तरफ से एक श्रद्धांजलि है। आरआरआर न सिर्फ जूनियर एनटीआर के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए हमेशा एक बड़ी फिल्म के रूप में याद की जाएगी। राम चरण के साथ उनकी दमदार परफॉर्मेंस ने भारतीय सिनेमा को ग्लोबल पहचान दिलाई और जूनियर एनटीआर की बेहतरीन अदाकारी का लोहा मनवाया। अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स की बात करें तो जूनियर एनटीआर इन दिनों प्रशांत नील के डायरेक्शन में बन रही मच अवेटेड छज्छममस की शूटिंग में व्यस्त हैं। ये फिल्म जबरदस्त एक्शन और दमदार परफॉर्मेंस के साथ एक और भव्य सिनेमाई अनुभव का वादा कर रही है।

ओट्स को रोज़ाना नाश्ते में खाना हो सकता है नुकसानदायक, जानिए क्यों

ओट्स में फाइटिक एसिड मौजूद होता है, जो शरीर में आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे ज़रूरी मिनरल्स को पूरी तरह से अब्जॉर्ब नहीं होने देता। इसलिए, अगर आपको पहले से ही कमजोरी या आयरन की कमी रहती है, तो रोज़ ओट्स खाने से आपकी समस्या बिगड़ सकती है।

नाश्ते को दिन का पहला मील कहा जाता है और इसलिए आप जो भी खाते हैं, उसका सीधा असर आपकी सेहत पर पड़ता है। यही वजह है कि हर किसी को हेल्दी ब्रेकफास्ट करने की सलाह दी जाती है। अमूमन लोग ओट्स को एक हेल्दी नाश्ता मानते हैं। यह कहा जाता है कि ओट्स को वज़न कम करने के लिए काफी अच्छा कहा जाता है। कई बार लोग रोज ही ओट्स खाना शुरू कर देते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि हर दिन ओट्स खाना उतना भी अच्छा ऑप्शन नहीं माना जाता है।

जी हां, इस बात में कोई दोराय नहीं है कि ओट्स हेल्दी होते हैं, लेकिन जब रोज़ाना एक ही चीज़ खाई जाए, जिसमें ना कोई वैरायटी, ना बैलेंस, तो उसका उल्टा असर भी हो सकता है। ओट्स में फाइटिक एसिड होता है, जो मिनरल्स को ठीक से अब्ज़ॉर्ब नहीं होने देता। इसके अलावा ओट्स में प्रोटीन कम होता है, जिससे आपको जल्दी भूख लग जाती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि हर दिन ओट्स खाने से आपको क्या–क्या नुकसान हो सकते हैं–

मील हो जाता है बोरिंग

अगर हम रोज़ एक ही चीज़ खाते हैं, चाहे वो कितनी भी हेल्दी हो, तो शरीर उसमें से सिर्फ कुछ ही पोषक तत्व ले पाता है। साथ ही, हर दिन एक जैसा स्वाद मिलने की वजह से तरह–तरह की फूड क्रेविंग्स बढ़ने लगती हैं। ऐसे में कुछ टेस्टी मतलब तला–भुना या मीठा खाने का मन करता है। इससे कहीं ना कहीं आप अपने गोल्स से भटकने लगते हैं।

फाइटिक एसिड से होता है नुकसान

ओट्स में फाइटिक एसिड मौजूद होता है, जो शरीर में आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे ज़रूरी मिनरल्स को पूरी तरह से अब्जॉर्ब नहीं होने देता। इसलिए, अगर आपको पहले से ही कमजोरी या आयरन की कमी रहती है, तो रोज़ ओट्स खाने से आपकी समस्या बिगड़ सकती है।

प्रोटीन की कमी

आपका नाश्ता ऐसा होना चाहिए, जिसमें मैक्रो न्यूट्रिएंट्स बैलेंस हों। लेकिन ओट्स में प्रोटीन बहुत कम होता है। अगर आप बिना अंडा, पनीर, सीड्स या प्रोटीन पाउडर के ओट्स खा रहे हो, तो ऐसे में आपको नाश्ते में प्रोटीन मिल ही नहीं रहा। इससे होता ये है कि दो घंटे में फिर से भूख लग जाती है और एनर्जी भी लो हो जाती है।

ये संकेत अगर दिखाई दें तो न करें नजरअंदाज, हो सकता है ब्रेन ट्यूमर का खतरा!

सिरदर्द एक सामान्य समस्या है, जिसे हम अक्सर थकावट, तनाव या नींद की कमी से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन कुछ सिरदर्द ऐसे होते हैं, जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकते हैं। जब सिरदर्द लगातार बना रहे, अचानक तेज हो जाए, या दवाइयों से आराम न मिले, तो यह शरीर में किसी अंदरूनी समस्या की चेतावनी हो सकता है। कभी–कभी सिरदर्द गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है, जैसे–

ब्रेन ट्यूमर

हाई ब्लड प्रेशर

माइग्रेन

मस्तिष्क संक्रमण

इस लेख में, हम आपको बताएंगे कि सिरदर्द के कौन से लक्षण खतरनाक हो सकते हैं और उन्हें नजरअंदाज क्यों नहीं करना चाहिए।

अचानक तेज और असहनीय सिरदर्द

अगर सिरदर्द अचानक बहुत तेज हो जाए और सामान्य दवाइयों से आराम न मिले, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ऐसा सिरदर्द ब्रेन हेमरेज, स्ट्रोक या मस्तिष्क में किसी गड़बड़ी का संकेत हो सकता है। कई बार यह दर्द गर्दन में अकड़न, उल्टी या देखने में परेशानी के साथ हो सकता है। यदि आपने पहले कभी इतना तेज दर्द महसूस नहीं किया, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ये संकेत शरीर हमें बड़ी समस्या की चेतावनी देने के लिए देता है, इसलिए उन्हें नजरअंदाज करना जोखिमपूर्ण हो सकता है।

सुबह उठते ही सिरदर्द

अगर आपको रोज सुबह उठते ही सिर में भारीपन या दर्द महसूस हो, तो यह सामान्य थकावट नहीं हो सकता। यह ब्रेन ट्यूमर, उच्च रक्तचाप या नींद से जुड़ी समस्याओं का संकेत हो सकता है। खासकर अगर यह दर्द लगातार हो और कुछ घंटों तक बना रहे, तो यह गंभीर स्थिति का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में, आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

सिरदर्द के साथ उल्टी और चक्कर आना

अगर सिरदर्द के साथ आपको उल्टी, चक्कर आना या मतली महसूस हो, तो यह मस्तिष्क से जुड़ी गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है। यह लक्षण माइग्रेन, ब्रेन ट्यूमर या मस्तिष्क संक्रमण (मेनिन्जाइटिस) में भी देखे जा सकते हैं। अगर ये लक्षण बार–बार हो रहे हों और आराम से ठीक न हो रहे हों, तो डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। खुद से दवा लेने से स्थिति और बिगड़ सकती है।

आंखों के पीछे दर्द और धुंधला दिखना

अगर सिरदर्द के साथ आंखों के पीछे दर्द हो, रोशनी सहन न हो या देखने में धुंधलापन हो, तो यह आंखों से जुड़ी समस्या नहीं है। यह मस्तिष्क में दबाव या नसों से जुड़ी किसी बीमारी का संकेत हो सकता है। यह लक्षण ग्लूकोमा, माइग्रेन या ब्रेन ट्यूमर के कारण हो सकते हैं। अगर यह लक्षण बार–बार हों, तो तुरंत आंखों के विशेषज्ञ (आई स्पेशलिस्ट) और न्यूरोलॉजिस्ट से परामर्श करें। आंखें और मस्तिष्क आपस में गहरे जुड़े होते हैं, इसलिए इस प्रकार का सिरदर्द हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

लगातार एक ही जगह दर्द

अगर सिरदर्द सिर के एक ही हिस्से में लगातार हो रहा हो, और वह कई दिनों या हफ्तों तक बना रहे, तो इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। माइग्रेन में अक्सर ऐसा होता है, लेकिन अगर दर्द असहनीय हो या समय के साथ बढ़ता जाए, तो ब्रेन ट्यूमर की संभावना को भी नकारा नहीं जा सकता। खासकर जब सिरदर्द के साथ आवाज या रोशनी के प्रति संवेदनशीलता, मतली या झुनझुनी जैसे लक्षण हों, तो आपको तुरंत जांच करानी चाहिए। सिरदर्द के इन लक्षणों को हल्के में न लें और समय रहते डॉक्टर से परामर्श लें। सिरदर्द कभी–कभी किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, जैसे ब्रेन ट्यूमर या मस्तिष्क संक्रमण। इसलिए अगर आपको सिरदर्द के साथ अन्य लक्षण भी महसूस हो रहे हों, तो डॉक्टर से जल्दी मिलें।

रात में देर तक जागने की आदत पड़ सकती है भारी, जानिए इससे होने वाले नुकसान

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में नींद सबसे ज्यादा नजरअंदाज की जाने वाली चीज बन गई है। लोग देर रात तक मोबाइल चलाते रहते हैं, काम करते हैं या सीरीज देखते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना आधी रात तक जागने की यह आदत आपकी सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकती है?

आधी रात तक जागना क्यों है खतरनाक?

अगर आप रोज रात 12 बजे या उसके बाद सोते हैं और सुबह जल्दी उठ जाते हैं, तो आपकी नींद की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ता है। यह असर धीरे–धीरे आपके शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्थिति और भावनात्मक संतुलन को भी बिगाड़ सकता है।

वजन बढ़ना शुरू हो सकता है

रात में देर तक जागने पर शरीर में घ्रेलिन (भूख बढ़ाने वाला हार्मोन) का स्तर बढ़ने लगता है और लेप्टिन (भूख नियंत्रित करने वाला हार्मोन) कम हो जाता है। इससे बार–बार भूख लगती है, खासतौर पर तला–भुना और मीठा खाने का मन करता है। देर रात खाया गया खाना शरीर द्वारा अच्छे से पच नहीं पाता और फैट के रूप में जमा हो जाता है, जिससे वजन बढ़ने लगता है। नींद की कमी से मेटाबॉलिज्म भी धीमा पड़ता है, जिससे कैलोरी बर्न करने की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है।

मूड पर पड़ता है बुरा असर

अपर्याप्त नींद का सीधा असर मस्तिष्क के न्यूरोट्रांसमीटर पर पड़ता है, जो आपके मूड को नियंत्रित करते हैं। इससे चिड़चिड़ापन, गुस्सा, निराशा और बेचैनी जैसी भावनाएं बढ़ जाती हैं। जो लोग देर रात तक जागते हैं, वे दिनभर थके–थके और नकारात्मक सोच से घिरे रहते हैं। इसका असर रिश्तों, काम की गुणवत्ता और मानसिक शांति पर पड़ता है।

स्ट्रेस लेवल बढ़ सकता है

जब शरीर को पर्याप्त नींद नहीं मिलती, तो उसमें कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है।दलगातार बढ़ा हुआ स्ट्रेस हार्ट बीट, ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर लेवल को भी बिगाड़ सकता है। ज्यादा स्ट्रेस से नींद और भी खराब होती है, जिससे एक नेगेटिव साइकल बन जाता है दृ कम नींद , ज्यादा स्ट्रेस और भी कम नींद। लंबे समय तक ऐसा चलने पर डिप्रेशन और एंग्जायटी जैसी मानसिक समस्याएं भी हो सकती हैं।

सोचने और एकाग्रता में होती है परेशानी

अच्छी नींद दिमाग को आराम देती है और नए विचारों को प्रोसेस करने में मदद करती है। जब आप रोज देर तक जागते हैं, तो मस्तिष्क को पूरी तरह रिचार्ज होने का समय नहीं मिल पाता। इसका असर आपकी मेमोरी, निर्णय लेने की क्षमता और ध्यान केंद्रित करने की शक्ति पर पड़ता है। ऐसे लोग छोटी–छोटी चीजें भूलने लगते हैं, और काम या पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है।

कैसे बचें इन समस्याओं से?

रात 11 बजे से पहले सोने की आदत डालें। हर दिन एक तय समय पर सोएं और उठें, यहां तक कि वीकेंड पर भी। रात में भारी खाना और स्क्रीन टाइम कम करें। 7 से 9 घंटे की नींद जरूर लें। अमेरिकी डॉक्टर और नींद विशेषज्ञों के अनुसार, अच्छी नींद न केवल वजन, मूड और सोचने की क्षमता को बेहतर बनाती है, बल्कि यह आपके लिवर और पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद होती है।

राजस्थानी लहरिया साड़ियों में मिलेगा ट्रेडिशनल लुक, वार्डरोब में जरूर करें शामिल

भारतीय महिलाओं का सबसे पसंदीदा और खास पहनावा साड़ी होता है। इसको आप हर मौके पर कैरी कर सकती हैं। वहीं आजकल वेस्टर्न कल्चर में भी साड़ी को काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। साड़ी में कई तरह के डिजाइन और पैटर्न देखने को मिल जाते हैं। जिसको आप अपनी पसंद के हिसाब से सेलेक्ट कर सकती हैं। साड़ी में महिला का लुक परफेक्ट आता है। अगर आपको भी साड़ी पहनना पसंद है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके लिए कुछ न्यू डिजाइन वाली साड़ी लेकर आए है। जिनको आप हर मौके पर पहन सकती हैं। वेडिंग फंक्शन में पहनने के लिए आप राजस्थानी लहरिया प्रिंट वाली साड़ी को खरीद सकती हैं। यह आपको पारंपरिक लुक देने का काम करती है। इस साड़ी को पहनने के बाद आपका लुक काफी अलग नजर आएगा। राजस्थानी लहरिया साड़ी रंग–बिरंगे पैटर्न और पारंपरिक आकर्षण के लिए जानी जाती हैं।

जॉर्जेट राजस्थानी लहरिया साड़ी

अगर आप सिंपल और एलिगेंट लुक पाना चाहती हैं, तो आपको जॉर्जेट राजस्थानी लहरिया साड़ी पहननी चाहिए। छोटे फंक्शन के लिए यह साड़ी परफेक्ट है। पर्पल कलर की लहरिया साड़ी का बॉर्डर गोल्डन रखा गया है। वहीं इस तरह की साड़ी के साथ हैवी ब्लाउज काफी अच्छा लगेगा। इसके साथ आप गोल्डन ज्वेलरी और बन हेयर स्टाइल से अपना लुक कंप्लीट कर सकती हैं।

गोटा वर्क राजस्थानी लहरिया साड़ी

ज्यादातर राजस्थानी लहरिया साड़ी में आपको गोटा वर्क जरूर देखने को मिलता है। यह साड़ी में रॉयल टच देने का काम करता है। वेडिंग फंक्शन के अलावा त्योहारों पर भी ऐसी साड़ियां खूब पहनी जाती हैं। पिंक कलर की इस साड़ी का बॉर्जर गोटा वर्क से कवर है। इस तरह की साड़ी के साथ प्लेन स्लीवलेस ब्लाउज कैरी कर आप क्लासी लुक पा सकती हैं। लहरिया साड़ी के साथ आप सिल्वर पेंडेंट नेकलेस और मैचिंग की झुमकी जरूर पहनें।

संक्षिप्त

शेयर बाजार में आया बड़ा बदलाव, तूफानी तेजी के बाद सेंसेक्स में आई 870 अंकों की गिरावट, इन कंपनियों का ऐसा है हाल

भारत में सेयर बाजार में कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार 13 मई 2025 को गिरावट हो गई है। इस दौरान बीएसई इंडेक्स वाला सेंसेक्स सुबह साढ़े नौ बजे 701.87 अंकों के साथ नीचे गिर गया है। इसके साथ ही ये 81,728.03 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं सेंसेक्स बाद 900 अंक और नीचे आ गया है, यानी कुल 1600 अंक की गिरावट सेंसेक्स में देखने को मिली है। वहीं एनएसई निफ्टी 50 भी 200 अंक गिरा है। निफ्टी 50 24,700 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इंफोसिस के शेयर भी दो फीसदी नीचे गिर गए है। एटरनल के शेयर भी नीचे गिरते जा रहे है। वहीं सोमवार को भारत–पाकिस्तान के बीच सीजफायर हुआ थी, जिसका सीधा असर सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में देखने को मिला था। इस दौरान सेंसेक्स ने 2975.43 अंक की छलांग लगाई थी। सात महीने के आंकड़ों के अनुसार ये सबसे उपर के स्तर पर यानी 82,429.90 पर बंद हुआ था। वहीं एनएसई निफ्टी भी 916.70 अंक बढ़ोतरी के साथ कारोबार कर रहा था। इसमें 3.82 फीसदी का उछाल आया और ये 24,924.70 के अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में इन्फोसिस, इटर्नल, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और नेस्ले के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। सन फार्मा, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, शंघाई एसएसई कम्पोजिट तथा जापान का निक्की 225 फायदे में रहे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। नैस्डैक कम्पोजिट में 4.35 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 3.26 प्रतिशत तथा डाऊ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 2.81 प्रतिशत की तेजी आई। गौरतलब है कि अमेरिका और चीन ने हाल ही में एक–दूसरे पर लगाए भारी शुल्क में से अधिकतर पर 90 दिन की रोक लगाने को लेकर दोनों देशों के बीच सहमति बनने की सोमवार को जानकारी दी थी। इसके बाद से बाजारों में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.81 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,246.48 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगा सकता है भारत, स्टील शुल्क के खिलाफ कार्रवाई पर कर रहा विचार

नई दिल्ली। अमेरिका के स्टील पर शुल्क लगाने के फैसले के बाद अब भारत भी अब अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) को इस प्रस्ताव की जानकारी दी है। अमेरिका भारतीय स्टील और एल्युमीनियम के निर्यात पर शुल्क वसूल रहा है।

अमेरिका के स्टील शुल्क से बुरी तरह प्रभावित हुआ है भारत का निर्यात

भारत ने विश्व व्यापार संगठन को सोमवार को दिए नोटिस में कहा है कि भारत छूट को समाप्त कर कुछ अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ा सकता है। भारत का कहना है कि ये अपने बचाव में उठाया गया कदम है। भारत का कहना है कि अमेरिका द्वारा स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर शुल्क लगाए जाने से उसके करीब 7.6 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल सत्ता में आने के बाद अपने संरक्षणवादी दृष्टिकोण को जारी रखा और दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाने का एलान कर दिया। अपने पिछले कार्यकाल के दौरान भी ट्रंप ने स्टील और एल्युमीनियम पर राष्ट्रीय सुरक्षा की आड़ में शुल्क लगाए थे।

अमेरिका पर दबाव बनाने की कोशिश

भारत दुनिया में कच्चे इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। ऐसे में ट्रंप द्वारा स्टील और एल्युमीनियम पर लगाए गए शुल्क का भारत के निर्यात पर बड़ा असर पड़ा है। अब जिस तरह से भारत ने अमेरिका के कुछ उत्पादों पर टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है, उससे दोनों देशों में व्यापार तनाव बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। गौरतलब है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब भारत और अमेरिका के बीच नया व्यापार समझौता होने के करीब है।

मुक्त व्यापार समझौते के बाद चाइनीज माल की एंट्री रोकने की चुनौती, घरेलू कंटेंट पर फोकस

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता हो चुका है। अब दोनों देशों के सामने चुनौती है कि वे चाइनीज माल की एंट्री को कैसे रोकें। इसके लिए दोनों देश अपने उत्पादों में घरेलू कंटेंट को बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं ताकि चीनी माल की पिछले दरवाजे से एंट्री को रोका जा सके। केनरा बैंक की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि माल का उत्पादन कहां हो रहा है, इसे पता लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता होना, भारत की बड़ी जीत है। इसके तहत ब्रिटेन के 99 प्रतिशत बाजार में भारतीय उत्पादों को ड्यूटी फ्री एंट्री मिलेगी। इससे भारतीय निर्यातकों को काफी फायदा होगा। केनरा बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, अगर माल के उत्पादन वाली जगह की पुष्टि के लिए सख्त कदम नहीं उठाए गए तो चाइनीज माल की पिछले दरवाजे से दोनों देशों के बाजार में एंट्री हो सकती है और दोनों देशों के स्थानीय निर्यातकों को एफटीए का पूरा फायदा नहीं मिल पाएगा। भारत ब्रिटेन व्यापार समझौते में कृषि और डेयरी उत्पादों को समझौते से बाहर रखा गया है। भारत की अभी यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया के साथ भी मुक्त व्यापार समझौते पर बात हो रही है। भारत को इनके साथ होने वाले मुक्त व्यापार समझौते में डेयरी और कृषि उत्पादों को समझौते से बाहर रखने में खासी मशक्कत करनी पड़ रही है।

बीसीसीआई ने किया आईपीएल 2025 के शेष कार्यक्रम का एलान, इस दिन होगी शुरुआत

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शेष मैचों के कार्यक्रम का एलान कर दिया। आईपीएल की दोबारा शुरुआत 17 मई से होगी। सभी मुकाबले छह मैदानों पर खेले जाएंगे। फाइनल मैच तीन जून को खेला जाएगा।

दोबारा होगा पंजाब और दिल्ली के बीच मैच

भारत और पाकिस्तान के तनाव के बीच बीसीसीआई ने आईपीएल को एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया था। 18वें सत्र के 58 मुकाबले खेले जा चुके थे, जिसमें धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया मैच भी शामिल था। इस मैच को बीच में ही रोक दिया गया था, इसलिए यह बेनतीजा रहा था। हालांकि, अब बीसीसीआई ने यह मुकाबला दोबारा कराने का निर्णय लिया है। 24 मई को दोनों टीमें जयपुर में भिड़ेंगी।

नए कार्यक्रम में दो डबल हेडर

बीसीसीआई ने सोमवार को आईपीएल 2025 सत्र के शेष 17 मैचों के कार्यक्रम की घोषणा कर दी। छह मैदानों पर बाकी बचे मुकाबले खेले जाएंगे जिनमें बंगलुरू, जयपुर, दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और अहमदाबाद शामिल हैं। नए कार्यक्रम में दो डबल हेडर भी शामिल हैं। पहला डबल हेडर 18 मई को है। रविवार को दोपहर में राजस्थान रॉयल्स का सामना पंजाब किंग्स से जयपुर में होगा जबकि इसी दिन शाम को दिल्ली कैपिटल्स की गुजरात टाइटंस से दिल्ली में भिड़ंत होगी। वहीं, दूसरा डबल हेडर 25 मई को होगा। रविवार को दोपहर में गुजरात टाइटंस का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से होगा जबकि शाम को 7रू30 बजे सनराइजर्स हैदराबाद का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। 28 मई, 31 मई और दो जून को कोई मुकाबला नहीं खेला जाएगा।

कब होगी प्लेऑफ की शुरुआत?

प्लेऑफ की शुरुआत 29 मई से होगी। पहला क्वालिफायर मुकाबला 29 मई को होगा। 30 मई को एलिमिनेटर खेला जाएगा। दूसरा क्वालिफायर एक जून को खेला जाएगा जबकि फाइनल मैच तीन जून को होगा। इन चारों मुकाबलों के लिए स्थानों की घोषणा बाद में की जाएगी।

तालिका में शीर्ष पर गुजरात

आईपीएल 2025 सीजन स्थगित होने तक गुजरात टाइटंस की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर थी। गुजरात 11 मैचों में आठ जीत और तीन हार के साथ 16 अंक लेकर पहले स्थान पर थी। दूसरे नंबर पर आरसीबी की टीम थी जिसके इतने ही मैचों में गुजरात के समान अंक है। तीसरे स्थान पर पंजाब थी, जबकि चौथे पर मुंबई इंडियंस थी। सीएसके, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी थी, जबकि दिल्ली कैपिटल्स, केकेआर और लखनऊ सुपर जाएंट्स की उम्मीदें अभी भी बची हुई थी।

टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान, ग्रीन की वापसी, मार्श बाहर

मेलबर्न। विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल मुकाबले के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम का एलान कर दिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2023–25 टेस्ट चौंपियनशिप चक्र के खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। फाइनल मुकाबला 11 जून से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम डब्ल्यूटीसी की डिफेंडिंग चैंपियन भी है। उसने 2023 में खेले गए फाइनल में भारत को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

ग्रीन की वापसी, मार्श को किया गया बाहर

चोट की वजह से भारत के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में नहीं खेलने वाले ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की वापसी हुई है। इसके अलावा संदिग्ध एक्शन के लिए कुछ समय क्रिकेट से दूर रहने वाले स्पिनर मैट कुहनेमन को भी स्क्वॉड में वापस बुलाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के घरेलू रेड बॉल टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे ब्रैंडन डोगेट को ट्रैवलिंग रिजर्व में रखा गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में 15 खिलाड़ी हैं। वहीं, ऑलराउंडर मिचेल मार्श को टीम से बाहर किया गया है। वह भारत के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में टीम का हिस्सा रहे थे। इसके अलावा श्रीलंका को 2–0 से और भारत को 3–1 से हराने वाली कंगारू टीम में ज्यादा बदलाव नहीं किए गए हैं।

वेबस्टर और बोलैंड भी टीम में शामिल

टीम को लगातार दूसरी बार टेस्ट चौंपियन बनाने का दारोमदार पैट कमिंस को ही सौंपा गया है। कमिंस कमान संभालेंगे। उनके साथ पेस बॉलिंग में जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क होंगे। ये तीनों ही हाल में आईपीएल खेलकर अपने देश लौट चुके हैं और इनके वापस से इस लीग में जुड़ने की संभावना नहीं है। इसके अलावा बैकअप में ऑस्ट्रेलिया के पास स्कॉट बोलैंड और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर होंगे। इन दोनों ने भारत के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट में कहर बरपाया था। स्पिन की जिम्मेदारी कुहनेमन के साथ नाथन लियोन पर होगी। वहीं, बल्लेबाजी का दारोमदार उस्मान ख्वाजा, युवा सैम कोंस्टास, ट्रेविस हेड, एलेक्स कैरी, जोश इंगलिस, स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन पर होगा।

ॅज्ञ फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमरू पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर। ट्रैवलिंग रिजर्वरू ब्रेंडन डॉगेट।

2023–25 चक्र में ऑस्ट्रेलिया का प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया ने 2023–25 डब्ल्यूटीसी चक्र में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने छह में से चार सीरीज जीतीं और फाइनल में जगह बनाई। 2023 में एशेज में कंगारुओं ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज को 2–2 से ड्रॉ कराया। साथ ही वेस्टइंडीज के खिलाफ 2023–24 में सीरीज 1–1 से ड्रॉ रही। दक्षिण अफ्रीका ने इस चक्र में डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उन्होंने 12 टेस्ट में आठ मैच जीते। उनका पॉइंट पर्सेंटेज 69.44 रहा।

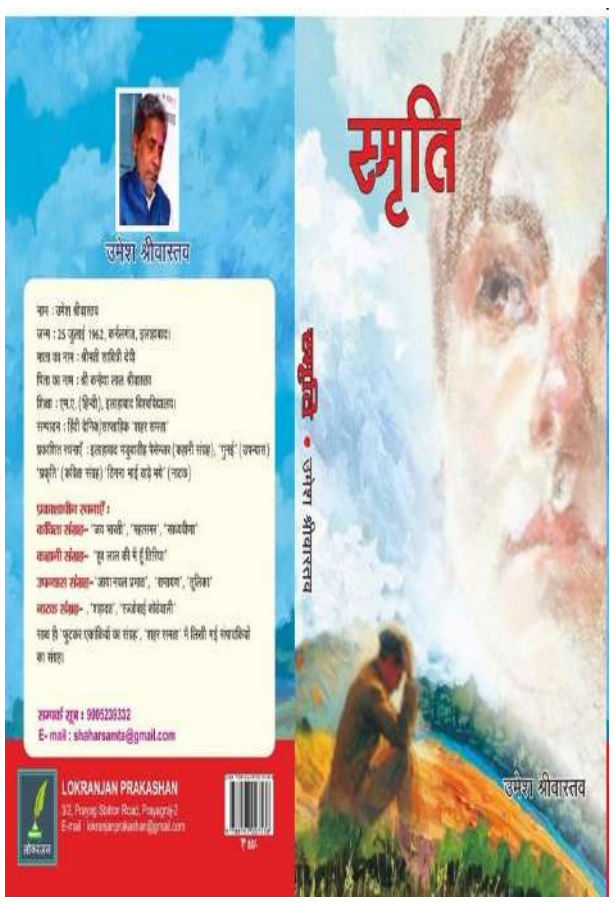

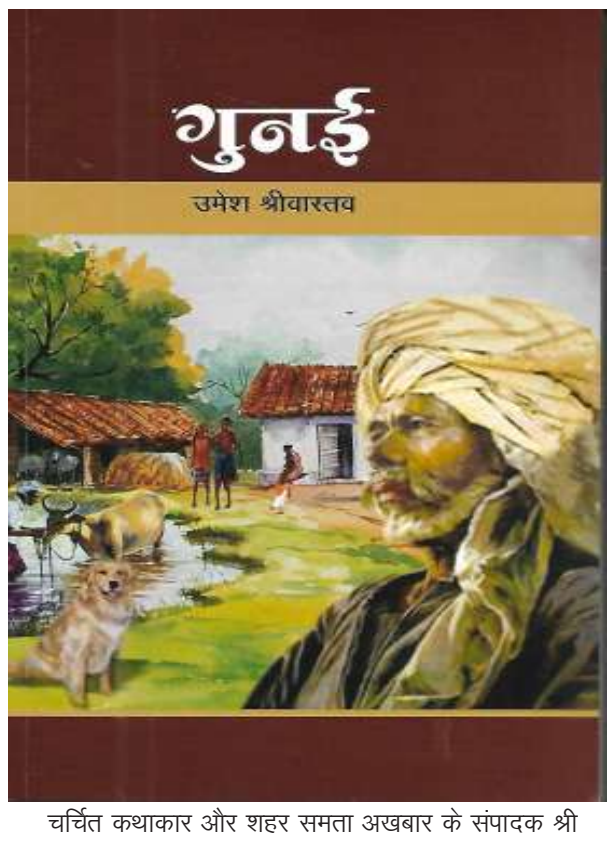

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

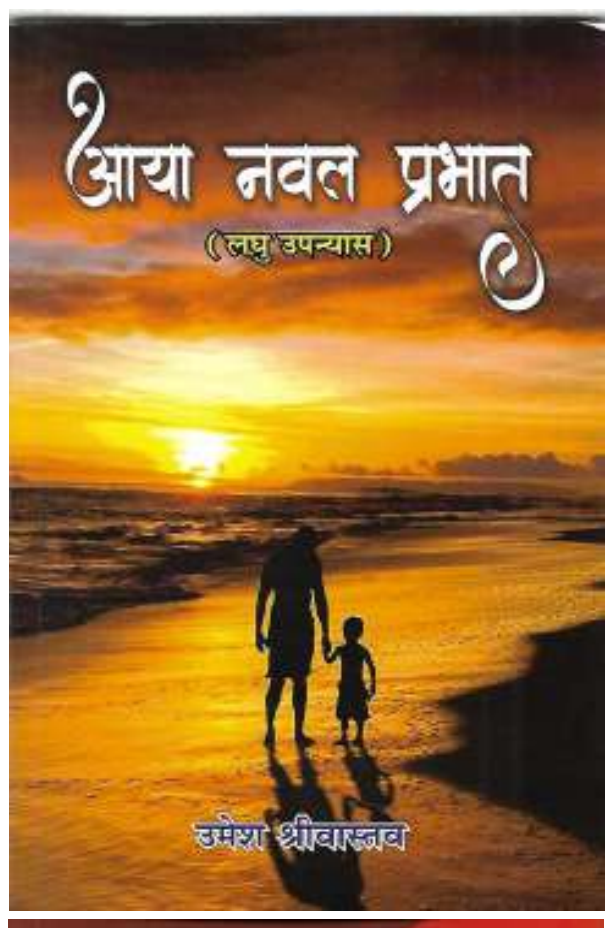

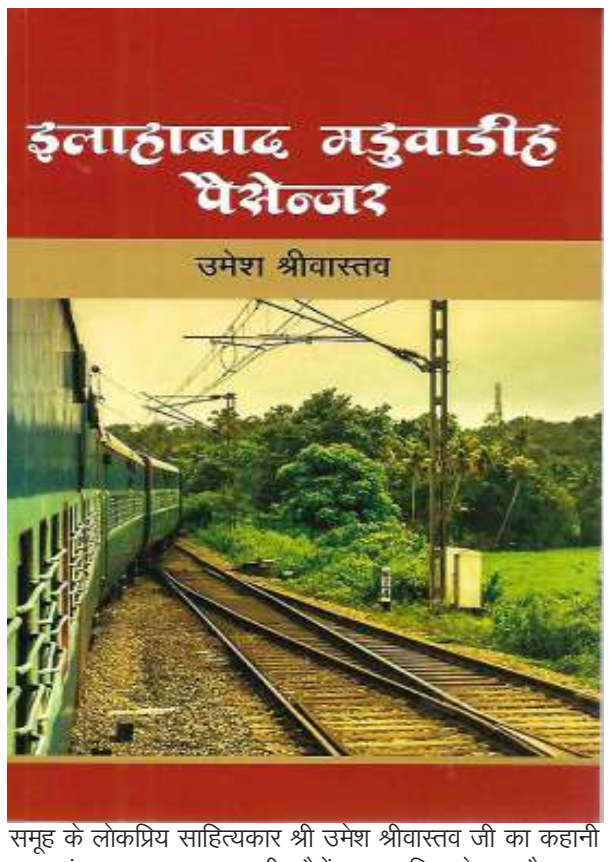

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

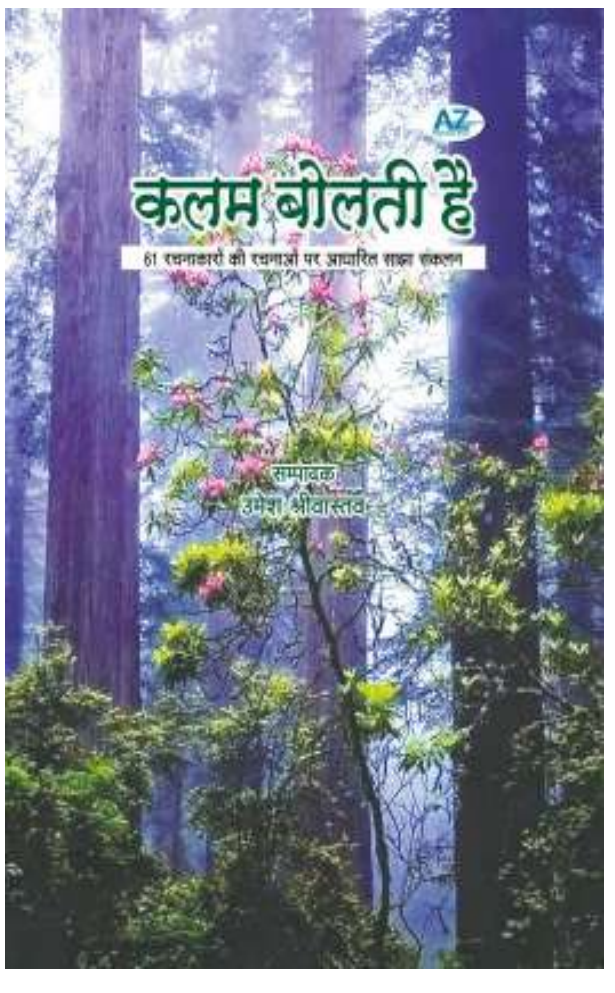

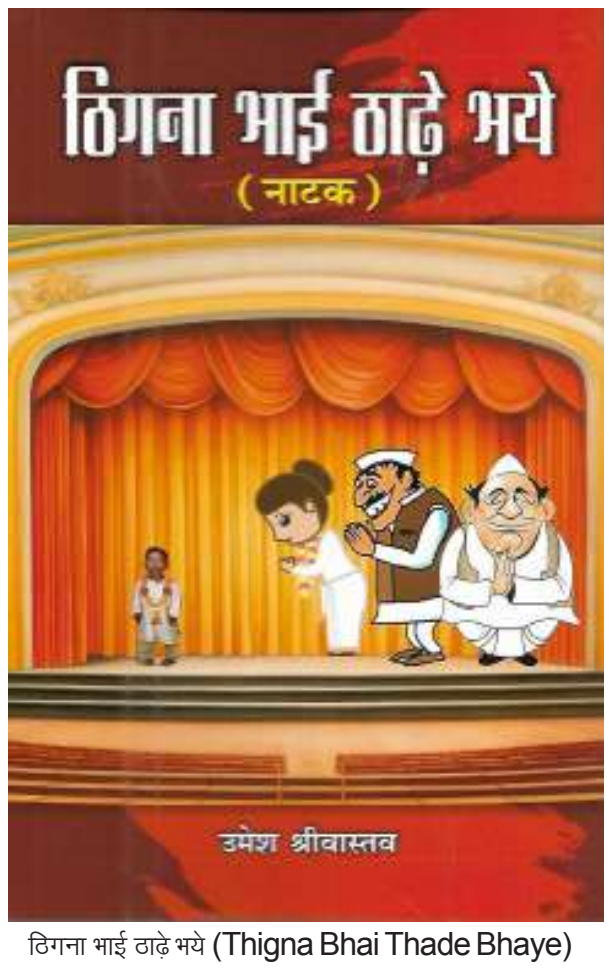

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

IAF ने कई पाकिस्तानी एयरबेसों को कैसे किया टारगेट, सैटेलाइट तस्वीरों से भारी नुकसान का खुलासा

10 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत द्वारा निशाना बनाए गए पाकिस्तान के हवाई ठिकानों की सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि वहां भारी नुकसान हुआ है, जो सशस्त्र बलों द्वारा किए गए सटीक हमलों के प्रभाव को दर्शाता है। माना जाता है कि पाकिस्तान के रणनीतिक सैन्य ठिकानों पर किए गए हमलों ने शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार को

तीन दिनों की शत्रुता के बाद युद्ध विराम के लिए भारत से संपर्क करने के लिए मजबूर किया। मैक्सार द्वारा 10 और 11 मई को एकत्र की गई सैटेलाइट तस्वीरें, जिन्हें इंडिया टुडे ने विशेष रूप से एक्सेस किया है, सुक्कुर (सिंध), नूर खान (रावलपिंडी), रहीम यार खान (दक्षिणी पंजाब), सरगोधा में मुशफ, जैकोबाबाद (उत्तरी सिंध) और भोलारी (उत्तरी थट्टा जिला) में हवाई ठिकानों पर हुए नुकसान को विस्तार से दिखाती हैं। पसरूर और सियालकोट में रडार साइटों को सटीक हथियारों का उपयोग करके निशाना बनाया गया। भारत की जवाबी कार्रवाई पाकिस्तान द्वारा 10 मई को 26 से अधिक स्थानों पर हवाई घुसपैठ का प्रयास करने के बाद हुई। सिंध के जमशोरो जिले में स्थित यह पाकिस्तानी वायु सेना (पीएएफ) का अग्रिम परिचालन बेस है और इसमें एफ–16 और जे–17 जैसे लड़ाकू विमान मौजूद हैं। इस एयर बेस का उद्देश्य कराची में समुद्र तट के किनारे पाकिस्तानी रक्षा बलों को मजबूत करना है। पाकिस्तान के सबसे महत्वपूर्ण हवाई अड्डों में से एक, यह वीआईपी विमान रखता है जो राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री सहित पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व के परिवहन के लिए जिम्मेदार है।

13 दिनों में 5 बार डोली पाकिस्तान की धरती, क्या भारत का पड़ोसी कर रहा परमाणु परीक्षण?

क्या पाकिस्तान ने परमाणु परीक्षण किया है। ये वो सवाल है जो इस वक्त सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इसकी क्या वजह है ये आपको बताते हैं। पाकिस्तान में एक बार फिर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सिसमोलॉजी के अनुसार रिक्चर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.6 मांपी गई। ये भूकंप दोपहर 1 बजकर 26

मिनट पर आया। पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान में ये लगातार पांचवा भूकंप का झटका है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग इन भूकंप के झटकों को पाकिस्तान के संभावित परमाणु परीक्षण से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि अमेरिका और भारत ने ऐसी किसी भी गतिविधि की पुष्टि नहीं की है। भारत–पाकिस्तान तनाव के बीच एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में पाकिस्तान के कई हिस्सों में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (छैब्) के निदेशक के अनुसार, भूकंप का केंद्र पंजाब प्रांत में एक प्रमुख फॉल्टलाइन के करीब स्थित था। भूकंप के परिणामस्वरूप, कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जाने लगा कि पाकिस्तान ने परमाणु परीक्षण किया है। हालाँकि, यहाँ पूरी सच्चाई बताई गई है। एनसीएस के निदेशक ओ पी मिश्रा ने बताया कि भूकंप पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पीर जोंगल के पास भारतीय समयानुसार दोपहर 1रू26 बजे आया। भूकंप तीन दिनों के अंतराल में पाकिस्तान में आया तीसरा भूकंप था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि पड़ोसी देश में कुछ असामान्य गतिविधि हुई है, जो भारत के साथ सशस्त्र संघर्ष में लगा हुआ है। नसीएस के निदेशक मिश्रा ने कहा कि भूकंप का केंद्र मेन सेंट्रल थ्रस्ट के करीब था, जो एक भूगर्भीय फॉल्टलाइन है जो भूकंपीय गतिविधि के लिए प्रवण है। पाकिस्तान में 10 मई को लगातार दो भूकंप आए – सुबह 4.7 तीव्रता का भूकंप और उसके बाद 4.0 तीव्रता का भूकंप आया।

ऑपरेशन सिंदूर पर हाई लेवल ब्रीफिंग, ब्रिटेन समेत कई देशों के डिफेंस अताशे को बुलाया गया

महत्वपूर्ण कूटनीतिक और रणनीतिक कदम उठाते हुए भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर पर उच्च स्तरीय ब्रीफिंग के लिए यूनाइटेड किंगडम समेत कई देशों के रक्षा अताशे को बुलाया है। जानकारी के अनुसार, यह सत्र मंगलवार को दोपहर 3रू30 बजे होने की उम्मीद है और यह नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय (डवक) में आयोजित होने की संभावना है। यह विशेष ब्रीफिंग हाल ही में भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमा पार सटीक हमले किए जाने के बाद आई है। यह हमला 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के प्रतिशोध में किया गया था, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

पाकिस्तान आर्मी ने सच कबूलते हुए कहा- इस्लाम हमारे प्रशिक्षण का अंग, हम जिहाद पर चलते हुए अल्लाह के लिए लड़ते हैं

पाकिस्तान में कट्टरपंथी आतंकवादियों के साथ ही पाकिस्तानी सेना भी कभी अपनी इस्लामी विचारधारा को छिपाने की कोशिश नहीं करती। बल्कि गर्व से अपना आदर्श वाक्य श्ईमान, तक़वा, जिहाद फ़ी सबीलिल्लाहश (आस्था, अल्लाह के नाम पर संघर्ष) को अपनाते हुए अपने कार्यों को अंजाम देती रही है। पाकिस्तान सेना के इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (क्ळ–ैच्ब्) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ़ ने रविवार को जब प्रेस वार्ता की तो पाकिस्तानी सेना का वो सच सामने आ गया जिस पर पूरी दुनिया को गौर करना चाहिए और किसी मुगालते में नहीं रहना चाहिए। हम आपको बता दें कि अहमद शरीफ ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि इस्लाम सिर्फ सैनिकों की व्यक्तिगत आस्था का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह सेना के प्रशिक्षण का भी अंग है। हम आपको बता दें कि उनका यह बयान तब आया जब उनसे पूछा गया कि क्या पाकिस्तानी सेना द्वारा ऑपरेशन का नाम बुनयान अल मरसूस रखना और भारतीय नागरिकों तथा सैन्य प्रतिष्ठानों पर सुबह–सुबह हमले करना अल्लाह के दिखाए रास्ते से प्रेरित है। इसके जवाब में अहमद शरीफ ने कहा कि इस्लाम न केवल हम सभी के विश्वास का हिस्सा है, बल्कि हमारे प्रशिक्षण का भी हिस्सा है। यह हमारी प्रेरणा है, यही हमें आगे बढ़ाता है। उन्होंने सेना के आदर्श वाक्य को स्पष्ट करते हुए कहा, हमारे

पास एक ऐसा सेना प्रमुख है, जिसकी इस पर गहरी आस्था है। उनकी आस्था और प्रतिबद्धता विभिन्न सैन्य अभियानों में परिलक्षित होती है। जब उनसे पूछा गया कि पाकिस्तान सेना ने अपने ऑपरेशन का नाम बुनयान अल मरसूस क्यों रखा, तो उन्होंने कहा कि ष्जो लोग अल्लाह के लिए लड़ते हैं, वे एक श्इस्पात की दीवारश की तरह होते हैं।ष हम आपको यह भी बता दें कि लेफ्टिनेंट जनरल शरीफ़ हाल ही में अपने पेशेवर कर्तव्यों से परे अपने निजी संबंधों के कारण भी चर्चा में आए थे जब सोशल मीडिया पर उनकी शजिहादीश पृष्ठभूमि को उजागर किया गया। उनके पिता महमूद सुल्तान बशीरुद्दीन, जो कि पाकिस्तान एटॉमिक एनर्जी कमीशन के पूर्व वैज्ञानिक थे, उनका संबंध चरमपंथी संगठनों से और यहां तक कि ओसामा बिन लादेन के साथ भी सामने आया था। देखा जाये तो उनकी यह स्पष्ट स्वीकारोक्ति कि इस्लामाबाद शजिहादश का खुलकर समर्थन करता है, वर्दीधारी और गैर–वर्दीधारी जिहादियों के बीच का अंतर लगभग समाप्त कर देती है, चाहे वे लश्कर–ए–तैयबा हो या जैश–ए–मोहम्मद, जो दशकों से भारत के खिलाफ युद्ध छेड़े हुए हैं और आतंकियों को कश्मीर तथा अन्य क्षेत्रों में घुसपैठ कराकर नागरिकों और सुरक्षाबलों को निशाना बना रहे हैं। इसके साथ ही अहमद शरीफ ने अपने सेनाध्यक्ष मुनीर की इस्लाम में गहरी आस्था का जो जिक्र किया है उसका सबूत हाल ही में तब सामने आया ही था जब पहलगाम आतंकी हमले से पहले उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ भड़काऊ भाषण दिया था। हम आपको एक बार फिर याद दिला दें कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर ने कहा था, ''हमारे धर्म अलग हैं, हमारे रीति–रिवाज अलग हैं, हमारी परंपराएं अलग हैं, हमारे विचार अलग हैं, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। यहीं से द्वि–राष्ट्र सिद्धांत की नींव रखी गई। हम दो राष्ट्र हैं, हम एक राष्ट्र नहीं हैं।श्इस बयान पर गौर करते हुए आप आतंकवादियों द्वारा किये गये कृत्य को देखेंगे तो पाएंगे कि मुनीर का इशारा आतंकवादी समझ गये थे और उन्होंने वही किया जो मुनीर चाहते थे।

पाकिस्तान में फैला न्यूक्लियर रेडिएशन ? अमेरिका-मिस्र के मॉनिटरिंग विमान क्या सच में कर रहे स्थिति की जांच

पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी खबर ने तहलका मचा रखा है, जो सुनने में किसी हॉलीवुड थ्रिलर फिल्म के स्क्रिप्ट जैसी लगती है। दावा है कि भारत के सैन्य हमलों के बाद पाकिस्तान के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों से रेडिएशन लीक हो गया है, जिसे वहां की जनता भयावह स्थिति का सामना कर रहे हैं। कुछ लोग तो ये भी दावा कर रहे हैं कि लोग वहां रेडिएशन की चपेट में आकर बीमार पड़ रहे हैं। विदेशी विमान पाकिस्तान में इस आपदा को नियंत्रित करने के लिए उतर रहे हैं। लेकिन क्या ये सच है या फिर अफवाहों का एक और तूफान है। सोशल मीडिया खासकर एक्स पर कुछ यूजर्स ने दावा किया कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के परमाणु संयंत्रों या संवेदनशील सैन्य ठिकानों पर हमला किया। जिसके चलते रेडिएशन लीक हो गया। इन पोस्ट में तस्वीरें और वीडियो भी शेयर किए गए। जिनमें कथित तौर पर प्रभावित इलाकों की भयावह स्थिति दिखाई गई। एक

यूजर ने तो ये भी दावा किया कि रेडिएशन को नियंत्रित करने में इस्तेमाल होने वाला मिस्र का एक विमान बोरोन पाकिस्तान पहुंचा। अमेरिका का रेडिएशन मॉविटिरिंग विमान वहां की स्थिति की जांच कर रहा है। इन दावों ने इतनी तेजी से हवा पकड़ी की लोग डर और उत्सुकता के मिश्रित भाव से इसे शेयर करने लगे। वहीं देश को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने भी सीधे कह डाला कि अब न्यूक्लियर ब्लैकमेल नहीं सहेगा। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि भारत अब न्यूक्लियर ब्लैकमेल नहीं सहेगा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को न्याय की अखंड प्रतिज्ञा बताया। भविष्य में भी आतंकी हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। रेडिएशन लीक जैसी घटना कोई छोटी बात तो नहीं है। अगर ऐसा कुछ हुआ होता तो अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा परमाणु एजेंसी यानी आईएईए और विश्व स्वाथ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) तुरंत हरकत में आते। लेकिन 13 मई 2025 तक आईएईए या किसी अन्य विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संगठन ने इस तरह की किसी भी घटना कि पुष्टि नहीं की है। पाकिस्तान के परमाणु संयंत्र जैसे कराची न्यूक्लियर पावर प्लांट और चश्वा न्यूक्लियर पावर प्लांट से रेडिएशन लीक होने की स्थिति में तुरंत स्थानीय और वैश्विक स्तर पर अलर्ट जारी किए जाते। लेकिन पाकिस्तान के परमाणु ऊर्जा आयोग यानी की पाकिस्तान ऑटोमिक एनर्जी कमीशन या सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि 12 मई को भारतीय सेना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया है कि भारतीय हमलों में इनमें से ज्यादातर ठिकानों को निशाना बनाया गया है। भारत ने पाकिस्तान के शोरकोट में रफीकी एयरबेस, रावलपिंडी में नूर खान एयरबेस, चकवाल में मुरीद, रहीमयार खान, सुक्कुर और चुनियन के साथ–साथ पसरूर और सियालकोट में रडार साइटों को निशाना बनाया। इसके अलावा सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि कराची में स्थित मलीर छावनी पर भी भारत ने हमला किया था। इसका मतलब यह है कि भारतीय वायुसेना ने इस्लामाबाद, रावलपिंडी, लाहौर, सियालकोट, सरगोधा और कराची सहित पाकिस्तान के हर बड़े शहर में ठिकानों पर बमबारी की।

24 घंटे पाकिस्तान की जासूसी करा रहा भारत, 10 सैटेलाइट में एक-एक पल हो रहा रिकॉर्ड!

पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों के खिलाफ न तो भारत का ऑपरेशन सिंदूर खत्म हुआ है और ना ही हिंदुस्तान का बदला। पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के खिलाफ भारत की कार्रवाई जारी रहेगी। इस बात का ऐलान बहुत पहले ही हो चुका है। जरूरत पड़ी तो हर स्तर पर जाकर पाकिस्तान से भिड़ने की तैयारी भारत कर लेगा। ये कई बार भारत साबित भी कर चुका है। भारत पाक तनाव के बीच भारत अभी भी किस तरह तैयारियों में जुटा है इस बात का अंदाजा एक नई खबर से पता चलता है। भारत इस वक्त अपनी सीमाओं को बहुत मजबूत तरीके से सुरक्षित कर चुका है। ये पिछले चार दिनों में साबित हो चुका

है। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। पाकिस्तान की एक भी मिसाइल भारत को चीर नहीं पाई। ये बता रहा है कि भारत का एयर डिफेंस सिस्टम कितना मजबूत है। दुनियाभर के लिए ये रिसर्च का विषय भी बन गया है कि कैसे भारत ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम को कितना मजबूत बना लिया है। भारत पाकिस्तान तनाव में एक और बड़ा पक्ष एक और बड़ी भूमिका निभा रहा है। वो भारत का इसरो है। इम्फाल में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (सीएयू) के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कम से कम 10 उपग्रह रणनीतिक उद्देश्यों के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी हमारे पड़ोसियों के बारे में जानते हैं। अगर हमें अपने देश की सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो हमें अपने उपग्रहों के माध्यम से सेवा करनी होगी। हमें अपने 7,000 किलोमीटर के समुद्री तट क्षेत्रों की निगरानी करनी होगी। हमें पूरे उत्तरी भाग की लगातार निगरानी करनी होगी। उपग्रह और ड्रोन तकनीक के बिना हम इसे हासिल नहीं कर सकते। नारायणन की यह टिप्पणी 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। जवाबी कार्रवाई में भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी शिविरों पर हमला किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

पाकिस्तान का एक और झूठ हुआ बेनकाब, मरियम नवाज़ ने घायल सैनिकों से की मुलाकात

भारत के साथ हाल ही में हुए सैन्य टकराव के बाद पाकिस्तान लगातार गलत सूचनाओं का जाल बुन रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ विनाश के बीच जश्न मनाने में व्यस्त दिखाई दे रहे हैं, वहीं देश की सेना विरोधाभासी और अपुष्ट दावे कर रही है। हालांकि, पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज द्वारा एक सैन्य अस्पताल का अचानक दौरा करने से एक बार फिर वह सच्चाई सामने आ गई है जिसे पाकिस्तान पूरी तरह छिपाने की

कोशिश कर रहा है। मरियम नवाज ने लाहौर में संयुक्त सैन्य अस्पताल (सीएमएच) का दौरा किया, जहां उन्होंने भारतीय सेना के साथ हाल ही में हुई झड़प में घायल हुए पाकिस्तानी सैनिकों और अधिकारियों से मुलाकात की। हताहतों की संख्या पर पाकिस्तानी सरकार की चुप्पी के बावजूद – यह बताने से इनकार करते हुए कि कितने सैनिक मारे गए या घायल हुए। एक वीडियो क्लिप में मरियम को अस्पताल के सर्जिकल वार्ड में घायल सैन्य कर्मियों के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया है। उनकी यात्रा पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर द्वारा घायल सैनिकों से मुलाकात करने के कुछ दिनों बाद हुई है, जिससे पाकिस्तान द्वारा नकारे जा रहे नुकसान की पुष्टि होती है। पाकिस्तान मरकज़ी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात–उद–दावा और 26/11 के मास्टरमाइंड हाफ़िज़ सईद से जुड़ी एक पार्टी ने लाहौर के लिबर्टी चौक पर तथाकथित शविजय मार्चश का आयोजन किया। पीएमएमएल लाहौर के अध्यक्ष इंजीनियर आदिल खालिक और महासचिव मुज़म्मिल इकबाल हाशमी के नेतृत्व में रैली ने जीत का जश्न मनाया। विडंबना यह है कि यह जश्न पाकिस्तान को कई आतंकी शिविरों के विनाश, कई एयरबेसों के नुकसान और 100 से अधिक आतंकवादियों की कथित मौत सहित बड़े झटके झेलने के बावजूद आया है। यहाँ यह ध्यान देने योग्य बात है कि भारत ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के कड़े जवाब के तौर पर 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। सटीक हमलों ने पाकिस्तान के अंदर कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। जवाब में, पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को जवाबी हमला करने की कोशिश की – लेकिन भारतीय सशस्त्र बलों ने उसे एक भयंकर और सुनियोजित जवाबी हमले का सामना करना पड़ा। चार दिनों तक ड्रोन और मिसाइलों के गहन आदान–प्रदान ने पाकिस्तान के सैन्य ढांचे को काफी नुकसान पहुँचाया। आखिरकार, हताश इस्लामाबाद ने युद्ध विराम की मांग की और दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों (क्ळडब्) के बीच बातचीत के बाद शत्रुता को रोक दिया गया।

बांग्लादेश में अब ये क्या हो गया? सुबह 3 बजे पूर्व राष्ट्रपति लुंगी पहनकर फ्लाइट से थाईलैंड रवाना

बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद अब्दुल हामिद सुबह 3 बजे ढाका अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से थाई एयरवेज की उड़ान पर सवार हुए और देश छोड़कर चले गए, जबकि अधिकांश बांग्लादेशी गहरी नींद में थे। जब अंतरिम सरकार की नींद खुली और उसे पता चला कि क्या हुआ है, तो उसने अधिकारियों को निलंबित और स्थानांतरित कर दिया और एक उच्च स्तरीय जांच का गठन किया। पूर्व राष्ट्रपति हामिद उन लोगों में शामिल थे, जिनकी पिछले साल शेख हसीना विरोधी आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों के खिलाफ़ उठाए गए कदमों के लिए जांच की जा रही थी। अब्दुल हामिद ने 2013 से 2023 तक दो कार्यकालों के लिए बांग्लादेश के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। वह 2024 में आंदोलन अवधि के दौरान अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज हत्या के कम से कम एक मामले में सह–आरोपी भी हैं। हसीना शासन पर उन प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाने और उन्हें मारने का आरोप लगाया गया था जो उन्हें अपदस्थ करना चाहते थे। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, 81 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति 14 जनवरी को किशोरगंज सदर पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के मामले में आरोपी हैं, जिसमें हसीना और उनके परिवार के सदस्य, जैसे शेख रेहाना, सजीब वाजेद जॉय और साइमा वाजेद पुतुल, सह–आरोपी हैं। पूर्व मंत्री ओबैदुल कादर भी मामले में सह–आरोपी हैं। समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश के अनुसार, मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल हामिद के थाईलैंड चले जाने की जांच के लिए शिक्षा सलाहकार सीआर अबरार के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

हमले में 100 से ज़्यादा लोगों की मौत, जेएनआईएम ने ली ज़िम्मेदारी

अल–कायदा से जुड़े एक जिहादी समूह जमात नस्र अल–इस्लाम वाल–मुस्लिमीन या जेएनआईएम ने रविवार के हमले की जिम्मेदारी ली है, जो साहेल क्षेत्र में सक्रिय है। सैन्य जुंटा द्वारा संचालित, 23 मिलियन की आबादी वाला यह देश अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में सुरक्षा संकट से सबसे बुरी तरह प्रभावित देशों में से एक है, जिसे हिंसक उग्रवाद के लिए वैश्विक हॉटस्पॉट के रूप में जाना जाता है।